आश्विन शुक्ल - 10 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 70 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 02-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 गेंदबाजों व बल्लेबाजों की मददगार पिच पर खेलना चाहते हैं : गिल

6 गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

7 'महाकाली' में असुर गुरु शुक्राचार्य का किरदार निभाएंगे अक्षय खन्ना

अवकाश की सूचना

सभी पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं को विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं। **दक्षिण भारत राष्ट्रमत** कार्यालय में विजयादशमी के अवसर पर 02 अक्टूबर 2025 को अवकाश रहेगा। अगला अंक 04 अक्टूबर 2025 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

फर्स्ट टेक

सोना 1.21 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार, चांदी स्थिर

नई दिल्ली/भाषा। मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच बुधवार को सोना राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में 1,100 रुपए की छलांग लगाते हुए 1.21 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। अमेरिका में संसद की वित्तीय मंजूरी न मिलने से सरकारी कामकाज अस्थायी रूप से बंद होने के बीच वैश्विक बाजारों में मजबूती का रुख था। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,100 रुपए बढ़कर 1,21,100 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के नए शिखर पर पहुंच गया। मंगलवार को यह 1,20,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना बुधवार को 1,100 रुपए बढ़कर 1,20,500 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

मंत्रिमंडल ने 57 नए केंद्रीय विद्यालयों को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 57 नए केंद्रीय विद्यालय खोलने के लिए बुधवार को मंजूरी दी, जिससे 86 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन 57 नए केंद्रीय विद्यालयों में से सात केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा और शेष राज्य सरकारों द्वारा प्रायोजित किए जाएंगे। नव स्वीकृत 20 केंद्रीय विद्यालयों को ऐसे जिलों में खोलने का प्रस्ताव है, जहां केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण संख्या के बावजूद वर्तमान में कोई केंद्रीय विद्यालय नहीं है। वैष्णव ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए देशभर में सिविल क्षेत्र के अंतर्गत 57 नए केंद्रीय विद्यालय खोलने को मंजूरी दे दी है।

02-10-2025 सूर्यास्त 6:08 बजे | 03-10-2025 सूर्योदय 6:09 बजे

BSE	NSE
80,983.31	24,836.30
(+715.70)	(+225.20)

सोना	चांदी
11,890 रु.	146,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दलित कौन

पद पैसा रुतबे वाले भी,
कह दलित स्वयं को चले दाँव।
वोटों या निज हित के खातिर,
फैलाते नफरत मनमुटाव।
जो दलित कह रहे हैं खुद को,
करते आपस में भेदभाव।
ना होती जाति दलित सारी,
है व्यक्ति दलित जिसके अभाव।।

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं : मल्होत्रा

ऋण पर खरीदे गए फोन को डिजिटल तरीके से 'लॉक' करने के बारे में गवर्नर ने कहा कि मामला विचाराधीन है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

गवर्नर ने साथ ही बताया कि केंद्रीय बैंक एक प्रस्ताव पर विचार कर रहा है जिसके तहत वित्तीय संस्थानों को मासिक किस्त भुगतान में चूक की स्थिति में ऋण लेकर खरीदे गए मोबाइल फोन को डिजिटल तरीके से 'लॉक' करने की अनुमति मिल पाएगी।

यूपीआई लेनदेन पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव होने के सवाल पर मल्होत्रा ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। यूपीआई लेनदेन में काफी वृद्धि हो गई है। उन्होंने मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, क्या यूपीआई पर शुल्क लगेगा? हमारे समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। ऋण पर खरीदे गए फोन को डिजिटल तरीके से 'लॉक' करने के बारे में गवर्नर ने कहा कि मामला विचाराधीन है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने कहा कि फोन को डिजिटल तरीके से 'लॉक' करने के फायदे व नुकसान दोनों पर गौर किया जा रहा है।

राव ने कहा, जैसा कि गवर्नर ने बताया कि डिजिटल तरीके से फोन को 'लॉक' करने का मामला विचाराधीन है। ग्राहकों के अधिकारों व जरूरतों, निजी सूचना की गोपनीयता एवं कर्ज देने वालों की जरूरतों के बीच संतुलन बनाने के मामले में दोनों पक्षों के फायदे व नुकसान हैं। इसलिए हम इस मुद्दे पर गौर कर रहे हैं और बाद में इस पर कोई निर्णय लेंगे। नीतिगत दरों में कटौती पर गवर्नर ने कहा कि मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जिससे मौद्रिक नीति में ढील की गुंजाइश बनी है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए के मूल्य में गिरावट पर उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक किसी स्तर को लक्षित नहीं करता, बल्कि केवल अनावश्यक अस्थिरता को रोकने का प्रयास करता है।

मल्होत्रा ने भरोसा जताया कि मूल्य स्थिरता के साथ उच्च सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर जारी रहेगी तथा निजी पूंजीगत व्यय में भी वृद्धि होगी।

जनसांख्यिकीय बदलाव सामाजिक सद्भाव के लिए घुसपैठ से भी बड़ा खतरा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को आगाह किया कि जनसांख्यिकीय बदलाव वर्तमान में देश के सामाजिक सद्भाव के लिए घुसपैठ से भी बड़ा खतरा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा हमेशा ''विविधता में एकता'' में निहित रही है और आगाह किया कि यदि यह सिद्धांत टूट गया तो देश की ताकत कम हो जाएगी।

मोदी ने अपने 15 अगस्त के भाषण और ''बहनों-बेटियों को निशाना बनाकर युवाओं की आजीविका छीनने वाले घुसपैठियों से भारतीय नागरिकों की रक्षा'' के अपने 'जनसांख्यिकीय मिशन' की घोषणा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, आज सामाजिक सद्भाव को घुसपैठियों से अधिक खतरा जनसांख्यिकी बदलाव के षडयंत्रों से है, जिसका सीधा असर आंतरिक सुरक्षा और भविष्य की शांति पर पड़ता है। भारत आज ऐसी चुनौतियों का सामना कर रहा है जो सीधे तौर पर उसकी एकता, संस्कृति और सुरक्षा को निशाना बना रही हैं।

मोदी ने कहा कि आरएसएस ने सामाजिक सद्भाव को हमेशा प्राथमिकता दी है तथा सामाजिक समरसता को हाशिए पर मौजूद लोगों को प्राथमिकता देकर सामाजिक न्याय स्थापित करने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के रूप में परिभाषित किया है। उन्होंने कहा, आज राष्ट्र ऐसी चुनौतियों का सामना कर रहा है जो सीधे तौर पर उसकी एकता, संस्कृति और सुरक्षा को निशाना बना रही हैं -- अलगाववादी विचारधाराओं और क्षेत्रवाद से लेकर जाति और भाषा पर विवाद तक तथा बाहरी ताकतों द्वारा भड़काई गई विभाजनकारी प्रवृत्तियां।

मोदी ने भारत की आत्मा हमेशा ''विविधता में एकता'' में निहित रहने का उल्लेख किया और आगाह किया कि यदि इस सिद्धांत को तोड़ा गया, तो भारत की ताकत कम हो जाएगी। इसलिए, उन्होंने इस आधारभूत लोकाचार को निरंतर सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा, सामाजिक सद्भाव आज जनसांख्यिकीय बदलाव और घुसपैठ से गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है, जिसका सीधा असर आंतरिक सुरक्षा और भविष्य की शांति पर पड़ता है... इसी चिंता ने मुझे लाल किले से जनसांख्यिकी मिशन की घोषणा करने के लिए प्रेरित किया।

मोदी ने इस खतरे का सामना करने के लिए सतर्कता और कड़ी कार्रवाई का भी आह्वान किया।

शताब्दी समारोह का आयोजन संस्कृति मंत्रालय द्वारा किया गया और इसमें आरएसएस सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत शामिल हुए।

स्विट्जरलैंड भारत के साथ द्विपक्षीय निवेश संधि का इच्छुक : स्विस मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्विट्जरलैंड की आर्थिक मामलों की मंत्री हेलेन बडलिगर आर्टीडा ने ईएफटीए की तर्ज पर भारत के साथ द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) की मांग उठाई।

भारत और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता लागू होने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में आर्टीडा ने यह मामला उठाया। इस समझौते के तहत ईएफटीए ने भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) में आइसलैंड, लिश्टेंस्टाइन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं।

स्विस मंत्री ने ईएफटीए-भारत व्यवसाय सम्मेलन में कहा, ''इस बड़ी निवेश प्रतिबद्धता के साथ हम भारत के साथ एक द्विपक्षीय निवेश संधि भी चाहते हैं। पिछली बार मेरी आपके वित्त मंत्री से उपयोगी बातचीत हुई थी और मुझे बताया गया है कि एक मॉडल प्रारूप तैयार हो रहा है।'' उन्होंने यह भी कहा कि यह निवेश वास्तव में निजी क्षेत्र का है और उन्हें इस दिशा में प्रोत्साहित किया गया है। उन्होंने कहा कि स्विस कंपनियां भारत में निवेश को लेकर काफी उत्साहित हैं।

इस सम्मेलन में स्विस स्वास्थ्य देखभाल कंपनी रोश फार्मा ने भारत में पांच वर्षों के भीतर न्यूनतम 1.5 अरब स्विस फ्रैंक का निवेश करने की घोषणा की।

रोश फार्मा के क्षेत्रीय प्रमुख फ्रांस्वा डु टॉय ने कहा, ''हमारे पास भारत में पहले से 5,000 से अधिक कर्मचारी हैं। यह निवेश हमारे मुख्य कारोबार, शोध एवं विकास और नवाचार को मजबूत करेगा।'' ईएफटीए सदस्यों के करीब 18 अन्य समूहों ने भी भारत में निवेश की दिलचस्पी दिखाई है। इनमें स्कायरप, कोहिनूर रोप्स, एलजीटी इंडिया, हिल्टी इंडिया, कॉग्सबर्ग, एलकम, बोरेगार्ड, बॉबस्ट इंडिया, बुचर हाइड्रोलिक्स और ब्यूहलर इंडिया शामिल हैं।

भारत इस समय स्विट्जरलैंड समेत 12 से अधिक देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर बातचीत कर रहा है। सरकार ने हाल के बजट में इन संधियों के मॉडल को और निवेशक-हितैषी बनाने की घोषणा की थी।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन के दिसंबर की शुरुआत में भारत आने की संभावना

नई दिल्ली/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्षिक शिखर वार्ता के लिए पांच दिसंबर के आसपास भारत की यात्रा पर आ सकते हैं। इस वार्ता से द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों के और मजबूत होने की उम्मीद है। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस महत्वपूर्ण यात्रा की तैयारियां हालांकि जारी हैं, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि रूस के राष्ट्रपति एक दिन की यात्रा पर आएंगे या भारत में दो दिन रहेंगे। पुतिन की यात्रा से पहले, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव राष्ट्रपति की यात्रा के विस्तृत विवरण को अंतिम रूप देने के लिए अगले महीने भारत की यात्रा करेंगे। रूस के राष्ट्रपति ने आखिरी बार 2021 में नई दिल्ली की यात्रा की थी। सूत्रों ने बताया कि पुतिन की यात्रा से पहले दोनों पक्षों के बीच सैन्य एवं सैन्य-तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग (आईआरआईजीसी-एमएंडएमटीसी) के ढांचे के तहत एक बैठक होने की उम्मीद है।

राजकोषीय विवेकशीलता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए

रक्षा मंत्री राजनाथ ने रक्षा लेखा विभाग की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) के व्यापक योगदान का उल्लेख करते हुए कुशल वित्तीय प्रबंधन और युद्ध की तैयारी सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका को रेखांकित किया।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सिंह ने ऐतिहासिक विरासत और भारत के सशस्त्र बलों की वित्तीय ताकत के रूप में निरंतर भूमिका के लिए डीएडी की सराहना की। उन्होंने कहा, एक ओर पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बलों के शौर्य और साहस को देखा... वहीं दूसरी ओर रक्षा लेखा विभाग की शांत लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका ने कुशल संसाधन उपयोग, वित्तीय प्रबंधन और युद्ध की तैयारी सुनिश्चित की। उन्होंने रक्षा लेखा विभाग को एक ऐसी संस्था बताया जो न केवल वित्तीय विवेक और पारदर्शिता सुनिश्चित करती है, बल्कि सेनाओं को संसाधनों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करके परिचालन तत्परता को भी मजबूत करती है।

रक्षा मंत्री संगठन के 278वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, रक्षा लेखा विभाग केवल एक लेखा संगठन नहीं है; यह एक सशक्त साधन है जो राष्ट्र के आर्थिक चक्र की सुचारू कार्यप्रणाली सुनिश्चित करता है। यह वह अदृश्य सेतु है जो वित्त और सशस्त्र बलों को जोड़ता है। हमारे सैनिकों के शौर्य के पीछे आपका मौन लेकिन निर्णायक योगदान है।

शासन की जीवन धारा के रूप में वित्त के महत्व को रेखांकित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि एक राष्ट्र की शक्ति उसकी वित्तीय नींव की मजबूती में परिलक्षित होती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शासन और रक्षा मशीनरी के सुचारू संचालन के लिए वित्त का स्थिर प्रवाह आवश्यक है। रक्षा मंत्री ने विभाग की इस बात के लिए प्रशंसा की कि उसने 30 सितंबर, 2025 तक पूंजीगत बजट व्यय के 50 प्रतिशत को अंतिम रूप दे दिया है, जो कुशल उपयोग का स्पष्ट प्रतिबिंब है।

अंबानी फिर बने सबसे अमीर भारतीय, अदाणी को पीछे छोड़ा

मुंबई/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने गौतम अदाणी को पीछे छोड़ते हुए वर्ष 2025 में सबसे अमीर भारतीय का अपना खिताब दोबारा हासिल कर लिया है। बुधवार को प्रकाशित देश के सबसे अमीर लोगों की सूची में यह जानकारी दी गई। 'एम3एम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025' के मुताबिक, 68 वर्षीय अंबानी की संपत्ति इस साल भले ही छह प्रतिशत घटकर 9.55 लाख करोड़ रुपये रह गई है लेकिन वह सबसे अमीर भारतीय बन गए हैं। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी 8.14 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर आ गए हैं। पिछले साल अदाणी ने अंबानी को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया था। उनके समूह के शेयरों ने अमेरिकी निवेश फर्म हिंडनबर्ग के आरोपों से हुए नुकसान की भरपाई कर ली थी जिससे उनकी संपत्ति 95 प्रतिशत उछलकर 11.6 लाख करोड़ रुपये हो गई थी। एचसीएल की चेयरपर्सन रोशनी नादर मल्होत्रा 2.84 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ सूची में तीसरे स्थान पर हैं। साइरस पूनावाला और उनका परिवार 2.46 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित संपत्ति के साथ चौथे स्थान पर रहे जबकि कुमार मंगलम बिड़ला 2.32 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित संपत्ति के साथ पांचवें स्थान पर रहे। सूची में शामिल अमीरों की कुल संपत्ति 167 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग आधा है। इस सूची में 1,000 करोड़ रुपये की संपत्ति वाले कुल 1,687 व्यक्ति शामिल हैं जो पिछले साल के मुकाबले 284 अधिक है। सूची में 148 लोग पहली बार शामिल हुए हैं। हुरुन ने कहा कि भारत में पिछले दो साल से हर हफ्ते एक व्यक्ति अरबपति बना है और इस सूची में शामिल लोगों की संपत्ति में हर दिन औसतन 1,991 करोड़ रुपये का इजाफा हो रहा है। एआई सर्च इंजन परप्लेक्सिटी के संस्थापक 31 वर्षीय अरविंद श्रीनिवास 21,190 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ इस सूची में पहली बार शामिल हुए हैं। वह सूची में शामिल 350 अरबपतियों में सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं।

अमृतसर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से तीन किलोग्राम से अधिक 'आइस ड्रग' बरामद

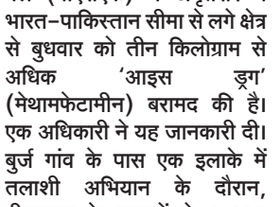

चंडीगढ़/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अमृतसर में भारत-पाकिस्तान सीमा से लगे क्षेत्र से बुधवार को तीन किलोग्राम से अधिक 'आइस ड्रग' (मेथामफेटामीन) बरामद की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बुर्ज गांव के पास एक इलाके में तलाशी अभियान के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने 3.165 किलोग्राम नशीले पदार्थों से भरा एक बैग बरामद किया। एक अन्य मामले में, बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान के तहत तरनतारन जिले के दल गांव के पास एक खेत से एक ड्रोन और 580 ग्राम हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया। अधिकारी ने कहा कि ये बरामदगी सीमापार से नशीले पदार्थ की आपूर्ति के लिए ड्रोन का उपयोग करने के पाकिस्तानी तस्करों के प्रयासों को विफल करने के बीएसएफ के निरंतर प्रयासों का प्रतीक है।

चीन ताइवान की स्वतंत्रता का कड़ा विरोध करेगा : शी चिनफिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग का कहना है कि चीन ''ताइवान की स्वतंत्रता'' को लेकर अलगाववादी गतिविधियों और बाहरी हस्तक्षेप का कड़ा विरोध करेगा और राष्ट्रीय संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता की दृढ़ता से रक्षा करेगा।

शी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के महासचिव और केंद्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की 76वीं वर्षगांठ मनाने के लिए बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में मंगलवार को आयोजित एक स्वागत समारोह में यह टिप्पणी की। शी ने कहा, ताइवान जलडमरूमध्य में आदान-प्रदान और सहयोग को गहरा करने, ताइवान की स्वतंत्रता' की अलगाववादी गतिविधियों और बाहरी हस्तक्षेप का कड़ा विरोध करने और राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की दृढ़ता से रक्षा करने के पुरजोर प्रयास किए जाने चाहिए। इससे पहले, शी, सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और राज्य के अन्य नेताओं के साथ, मध्य बीजिंग के तियानमेन चौक पर एक समारोह में शामिल हुए।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय दिवस से एक दिन पहले, शहीद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। बुधवार से, चीन आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय दिवस मनाने के लिए एक सप्ताह का अवकाश मनाएगा। इस वर्ष द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी आक्रमण के विरुद्ध चीनी जन प्रतिरोध युद्ध में विजय की 80वीं वर्षगांठ भी है। अपने संबोधन में, शी ने राष्ट्र के लोगों से कड़ी मेहनत करते रहने और आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

शी ने कहा, चीनी राष्ट्र का महान कायाकल्प एक अभूतपूर्व कार्य है। आकांक्षाएँ और चुनौतियां, दोनों ही हमें हर पल का लाभ उठाने और अटूट उत्साह के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

सरकार ने 25 विदेशी क्रिप्टो कंपनियों को धनशोधन मामले में नोटिस भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय की वित्तीय आसूचना इकाई-भारत (एफआईयू-इंड) ने 25 विदेशी वर्चुअल डिजिटल एसेट (वीडीए) प्रदाताओं को नियमों का अनुपालन न करने पर नोटिस जारी किया है। इनमें ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स स्थित क्रिप्टो एक्सचेंज एलबैंक और बिंगएक्स भी शामिल हैं।

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि इन वीडीए संस्थाओं को भारत में अपने ऐप और वेबसाइट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने से रोकने का आदेश भी दिया गया है।

सरकार 2023 में वर्चुअल डिजिटल एसेट प्रदाताओं को धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के दायरे में लेकर आई थी।

बयान में चेतावनी दी गई है कि क्रिप्टो उत्पाद और एनएफटी अनियमित हैं और इनमें जोखिम अधिक है, लिहाजा ऐसे लेनदेन में नुकसान होने पर कोई नियामकीय राहत नहीं मिल सकती है।

एफआईयू-इंड के मुताबिक, अब तक 50 वीडीए सेवा प्रदाताओं ने भारत में पंजीकरण कराया है। भारत में सेवाएं प्रदान करने वाले लेकिन पंजीकरण नहीं कराने वाले सेवा प्रदाताओं को समय-समय पर चिह्नित किया जाता है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाती है।

वर्चुअल डिजिटल एसेट प्रदाताओं के लिए इस एजेंसी के पास पंजीकरण कराना अनिवार्य है और पीएमएलए के तहत निर्धारित सभी अनुपालन नियमों का पालन करना आवश्यक है।

एफआईयू-इंड ने कहा कि ये नियम गतिविधियों पर आधारित हैं और किसी इकाई की भारत में भौतिक उपस्थिति पर निर्भर नहीं करते हैं। इसमें रिपोर्टिंग, रिकॉर्ड रखने और अन्य आवश्यक दायित्व शामिल हैं।

माता वैष्णोदेवी यात्रा : नवरात्र के दौरान 1.70 लाख से अधिक भक्तों ने दर्शन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटरा (रियासी)/भाषा। नवरात्र के दौरान माता वैष्णोदेवी के आधार शिविर कटरा में 'जय माता दी' के जयकारों की गूंज के साथ 1.70 लाख से अधिक भक्तों ने माता वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किए। नवरात्र के दौरान वैष्णो देवी मंदिर में सबसे अधिक तीर्थयात्री आते हैं। अधिकारियों ने बताया कि हर गुजरते दिन के साथ तीर्थयात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य ने संवाददाताओं को बताया, 1.70 लाख से अधिक तीर्थयात्री गुफा मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। यात्रा सुचारु रूप से चल रही है। प्रत्येक गुजरते दिन के साथ तीर्थयात्रियों की संख्या में वृद्धि हो रही है। उन्होंने तीर्थयात्रियों से बड़ी संख्या में मंदिर में आकर दर्शन करने का आग्रह किया। 'जय माता दी' के जयकारे और भक्ति गीत गाते हुए उत्साही तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा के बीच कटरा से माता वैष्णो देवी मंदिर के भवन तक घुमावदार रास्ते से आगे बढ़े। उज्जैन के सुरेश कुमार ने कहा, हम यहां दर्शन के लिए आए हैं। आज नवमी होने के कारण यह बेहद पवित्र और शुभ दिन है। मेरा मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार वैष्णो देवी अवश्य आना चाहिए। यह वास्तव में एक सुंदर स्थान है जो आस्था से परिपूर्ण असंख्य भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

बारह सदस्यों वाले समूह में शामिल कुमार ने बताया कि तवी नदी में आई बाढ़ और जम्मू क्षेत्र में भारी तबाही के बावजूद, उन्होंने अपनी रेल टिकटें रद्द नहीं कीं, बल्कि हर हाल में माता के दर्शन करने का निश्चय किया। उन्होंने कहा, माता का बुलावा आ ही गया।

कर्नाटक की वीना राय ने कहा कि दो बार टिकट रद्द करने के बावजूद, वह यहां आईं और माता का आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा, हर साल दुर्गा पूजा और नवरात्र के दौरान मैं यहां आती हूं। मैं व्रत रखती हूं और अपने परिवार के साथ दर्शन करती हूं। हमने मौसम की खराब स्थिति और रेल यातायात में व्यवधान के कारण दो बार टिकट रद्द किए। लेकिन यह माता का बुलावा था कि हम लगातार सातवें साल नवरात्र के दौरान यहां आए हैं। वैश्य ने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए श्राइन बोर्ड द्वारा शारदीय नवरात्रि के दौरान व्यापक व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि बोर्ड ने तीर्थयात्रियों का मार्गदर्शन करने, भीड़ का प्रबंधन करने तथा 13 किलोमीटर लंबे यात्रा मार्ग पर सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए स्वयंसेवकों को तैनात किया है।

मूसलाधार बारिश के कारण 26 अगस्त को हुए भीषण भूस्खलन के कारण 22 दिन तक स्थगित रहने के बाद वैष्णोदेवी की तीर्थयात्रा 17 सितंबर को पुनः शुरू हुई। इस भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई थी और 20 अन्य घायल हो गए थे। महानवमी के अवसर पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के बीच जम्मू शहर के बहू फोर्ट स्थित माता काली मंदिर में सुबह से ही सैकड़ों श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए उमड़ पड़े। यह मंदिर बावे वाली माता के नाम से प्रसिद्ध है।

वित्तीय स्थिरता सर्वोच्च प्राथमिकता, आर्थिक वृद्धि की राह में बाधा न बनें नियम : मल्होत्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को बैंकिंग नियमों में राहत और कारोबारी सुगमता के उपायों की घोषणा के बीच कहा कि वित्तीय स्थिरता केंद्रीय बैंक की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आरबीआई यह सुनिश्चित करने को लेकर सजग है कि नियमों का पालन आर्थिक वृद्धि की राह में बाधा न डाले। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता है कि आपको इन उपायों को किसी तरह की शिथिलता के रूप में देखना चाहिए। हमारे लिए स्थिरता सर्वोपरि है। साथ ही हमें यह भी देखना होगा कि वृद्धि को कोई रोक न लगे।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि बैंकिंग गतिविधियों में विस्तार, अधिग्रहण वित्तपोषण, आईपीओ के लिए ऋण सीमा बढ़ाने, बुनियादी ढांचा वित्त के लिए एकल उधारकर्ता सीमा में

बदलाव और शहरी सहकारी बैंकों के लिए लाइसेंसिंग खोलने के उपाय किए गए हैं। मल्होत्रा ने इन कदमों को बेहद संतुलित, सोची-समझी और विचारपूर्ण कार्रवाई करार दिया। उन्होंने बताया कि कई उपाय ऐसे हैं, जहां आरबीआई ने पहले किसी गतिविधि को अनुमति दी थी लेकिन अब उसे और विस्तार दे दिया गया है। इनमें अधिग्रहण वित्त और शेयरों के एवज में ऋण की सीमा बढ़ाने का कदम शामिल है। आरबीआई गवर्नर ने यह भी स्पष्ट किया कि रिजर्व बैंक का उद्देश्य बैंकिंग कारोबार का सूक्ष्म प्रबंधन नहीं करना है। मल्होत्रा ने वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफएसडीसी) में हुई चर्चा का हवाला देते हुए कहा कि अब नियमों की समीक्षा हर पांच वर्ष में की जाएगी। उन्होंने कहा, परिस्थितियां बदलती हैं, समय बदलता है, आवश्यकताएं बदलती हैं, इसलिए नियम स्थिर नहीं रह सकते। इसलिए हम लगातार अपने नियमों की समीक्षा करते रहेंगे।

मल्होत्रा ने आश्वासन दिया कि बड़ी कंपनियों की बैंकों के बहीखाते में हिस्सेदारी बीते दशक में 10 प्रतिशत तक कम हो चुकी है। हालांकि नियमों में छूट के बावजूद रिजर्व बैंक के पास वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त साधन मौजूद हैं। इस अवसर पर आरबीआई के डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव ने कहा कि शेयरों के खिलाफ ऋण की 20 लाख रुपए की सीमा 1998 में तय हुई थी और अब इसे बढ़ाकर एक करोड़ रुपए करने का फैसला मुद्रास्फीति के लिहाज से कोई बड़ी वृद्धि नहीं है।

जीएसटी संग्रह सितंबर में नौ प्रतिशत बढ़कर 1.89 लाख करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी संग्रह सितंबर में नौ प्रतिशत बढ़कर 1.89 लाख करोड़ रुपए रहा। दरों को युक्तिसंगत बनाने के कारण बिक्री में वृद्धि से जीएसटी संग्रह बढ़ा है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। जीएसटी संग्रह में सालाना आधार पर 9.1 प्रतिशत और मासिक आधार पर 1.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सितंबर 2024 में 1.73 लाख करोड़ रुपए और अगस्त 2025 में 1.86 लाख करोड़ रुपए था।

जीएसटी दरों में बदलाव 22 सितंबर से लागू हुआ। इसका असर जीएसटी आंकड़ों में दिखा है। जीएसटी 2.0 सुधार लागू होने के बाद 22 सितंबर से रसोई के सामान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक, दवाओं और उपकरणों से लेकर मोटर वाहन तक 375 चीजों की कीमतें कम हुई हैं। आंकड़ो के अनुसार, सितंबर 2025 में सकल घरेलू राजस्व 6.8% बढ़कर 1.36 लाख करोड़ रु. हो गया जबकि आयात कर 15.6% बढ़कर 52,492 करोड़ रुपए रहा। जीएसटी 'रिफंड' भी सालाना आधार पर 40.1% बढ़कर 28,657 करोड़ रुपए हो गया। शुद्ध जीएसटी संग्रह सितंबर 2025 में 1.60 लाख करोड़ रुपए रहा जो सालाना आधार पर 5% अधिक है। डेलॉयट इंडिया के भागीदार एम. एस. मणि ने कहा कि माह के लिए सकल जीएसटी संग्रह में 1.89 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि से संकेत मिलता है कि अगस्त के दौरान जीएसटी दर में कटौती की उम्मीद में आर्थिक गतिविधि में कोई महत्वपूर्ण नरमी नहीं आई है, क्योंकि यह आंकड़े अगस्त में लेनदेन से संबंधित है।

दरों में कटौती की गुंजाइश, लेकिन वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण यथास्थिति जरूरी : आरबीआई गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुद्रास्फीति में कमी ने दरों में कटौती की गुंजाइश बनाई है, लेकिन बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और पिछले मौद्रिक उपायों का पूरा लाभ न मिलने के कारण केंद्रीय बैंक ने दरों को लेकर यथास्थिति बनाए रखने का फैसला किया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को यह बात कही।

मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद पारंपरिक संवाददाता सम्मेलन में मल्होत्रा ने कहा कि मुद्रास्फीति में एक प्रतिशत से अधिक की उल्लेखनीय गिरावट और इसके पूर्वानुमान ने दरों में कटौती की गुंजाइश बनाई है। उन्होंने विस्तार से बताया कि जून में उन्होंने कटौती के लिए 'सीमित गुंजाइश' शब्द का इस्तेमाल किया था, जबकि बुधवार के बयान में 'सीमित' शब्द हटाकर यह कहा गया कि कटौती की गुंजाइश मौजूद है।

आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में कटौती न करने के सवाल का जवाब देते हुए, मल्होत्रा ने कहा कि पिछली एक प्रतिशत से ज्यादा की कटौती का पूरा लाभ न मिलने, वैश्विक मोर्चे पर अनिश्चितताओं और जीएसटी को तर्कसंगत बनाने के बढ़ते प्रभाव के कारण दर निर्धारण समिति ने यथास्थिति बनाए रखने का विकल्प चुना है। मल्होत्रा ने कहा, अभी भी काफी अनिश्चितता है। हम हर हफ्ते, हर दिन घटनाक्रम देखते हैं और प्रतिक्रियाएं भी देखते हैं, इसलिए एमपीसी को लगा कि हमें रुक जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक में रुख को 'तटस्थ' से 'उदार' में बदलने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई, जिसमें छह में से दो सदस्यों ने बदलाव का समर्थन किया। गवर्नर ने कहा कि वृद्धि के मोर्चे पर पहली तिमाही के आंकड़े सकारात्मक रूप से आश्चर्यचकित करने वाले रहे हैं, लेकिन वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कुछ चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि तीसरी और चौथी तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि अनुमान में मामूली गिरावट आई है।

गवर्नर ने कहा कि वृद्धि के मोर्चे पर चुनौतियां मुख्य रूप से अमेरिकी शुल्क के कारण आएंगी। उन्होंने हालांकि कहा कि भारत एक घरेलू मांग आधारित अर्थव्यवस्था है और शुल्क का समग्र प्रभाव सीमित रहेगा।

'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न देश भर में मनाया जाएगा : केंद्रीय मंत्रिमंडल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न पूरे भारत में मनाने का बुधवार को फैसला किया। संविधान सभा ने बंकिमचंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस गीत की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इसके 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में देशव्यापी समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। 'इंडिया डॉट जीओवी' पोर्टल के अनुसार, वंदे मातरम् की रचना चटर्जी ने संस्कृत में की थी। इसे राष्ट्रगान, जन-गण-मन' के बराबर दर्जा प्राप्त है।

केंद्रीय मंत्री ने भारत के पहले 'थ्री डी प्रिंटेड' ग्रामीण मकान का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने बुधवार को उत्तराखंड के रुड़की में केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीबीआरआई) में देश के पहले 'थ्री डी कंक्रीट प्रिंटेड' ग्रामीण मकान का उद्घाटन किया।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के एक बयान में कहा गया है कि यह ऐतिहासिक नवाचार भारत की ग्रामीण आवास यात्रा में एक निर्णायक क्षण है, जो पारंपरिक ज्ञान को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ता है।

वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं और हितधारकों को संबोधित करते हुए पेम्मासानी ने कहा कि भारत ने सभी के लिए आवास उपलब्ध कराने के लिए ''अटूट प्रतिबद्धता'' दिखाई है। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने कहा, मिट्टी की दीवारों से लेकर थ्रीडी प्रिंटिंग तक, भारत ने सभी के लिए सुरक्षित, मजबूत और टिकाऊ घर उपलब्ध कराने में अपनी अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। ये थ्री डी-प्रिंटेड घर केवल तकनीक की बात नहीं हैं - ये एक ऐसे भविष्य का प्रतिनिधित्व करते हैं जहां आवास किफायती, अनुकूलनीय और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, पेम्मासानी ने कहा कि 3.85 करोड़ घरों को मंजूरी दी गई है और 2.87 करोड़ बनकर तैयार हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि स्वतंत्र आकलनों से पता चलता है कि घरेलू आय में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, अस्पताल जाने वालों की संख्या में 14 प्रतिशत की कमी आई है और 72 प्रतिशत घर महिलाओं के नाम पर हैं, जिससे महिला सशक्तिकरण और परिवार कल्याण को बल मिला है।

सरकार ने गेहूं का एमएसपी 160 रुपए बढ़ाकर 2,585 रुपए प्रति क्विंटल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को फसल विपणन सत्र 2026-27 के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 6.59 प्रतिशत बढ़ाकर 2,585 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया। विपणन सत्र 2025-26 के लिए गेहूं का एमएसपी 2,425 रुपए प्रति क्विंटल था। इस तरह गेहूं के एमएसपी में इस साल 160 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, मंत्रिमंडल ने छह रबी फसलों के लिए एमएसपी को मंजूरी दी है। गेहूं का एमएसपी 2,585 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है। कुसुम (सैफ्लावर) के लिए एमएसपी में सबसे अधिक 600 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि की घोषणा की गई है जबकि मसूर के लिए 300 रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। रेपसीड एवं सरसों के लिए यह वृद्धि 250 रुपए प्रति क्विंटल है जबकि चने के एमएसपी में 225 रुपए प्रति क्विंटल और जौ के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 170 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। जौ का एमएसपी 1,980 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 2,150 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है। प्रमुख रबी दालों में से चने का समर्थन मूल्य 5,650 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 5,875 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि मसूर का एमएसपी 6,700 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 7,000 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है। तिलहनों में रेपसीड एवं सरसों का एमएसपी 5,950 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 6,200 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि कुसुम का समर्थन मूल्य 5,940 रु. प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 6,540 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है।

अल्पसंख्यकों से जुड़ी कल्याणकारी योजनाओं को लेकर सोशल मीडिया पर रीजीजू और ओवैसी में वाकयुद्ध

हैदराबाद/भाषा। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी और केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू के बीच बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति और अल्पसंख्यक छात्रों के कल्याण से जुड़ीं अन्य योजनाओं को लेकर वाकयुद्ध हुआ। ओवैसी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने छात्रवृत्ति को कक्षा 9 और 10 तक सीमित कर दिया है, जबकि मुसलमानों में पढ़ाई छोड़ने के मामले कक्षा पांच से ही शुरू हो जाते हैं, इसपर रीजीजू ने कहा कि प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति केवल कक्षा 9 और 10 तक ही सीमित है, क्योंकि शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों के लिए मुफ्त व अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा की व्यवस्था है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फेलोशिप योजना को बंद कर दिया गया है क्योंकि यह अन्य मंत्रालयों और विभागों की ऐसी योजनाओं के समान थी। रीजीजू ने कहा, इसके अलावा अल्पसंख्यकों समेत सभी सामाजिक श्रेणियों व समुदायों के उम्मीदवारों को यूजीसी और सीएसआईआर फेलोशिप योजनाओं का भी लाभ मिलता है।

क्या आंध्र सरकार से दलित बस्तियों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने का कहना गलत है : शर्मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने बुधवार को सवाल किया कि क्या सरकार से दलित बस्तियों में मंदिर बनाने के बजाय बुनियादी ढांचे पर ध्यान केंद्रित करने का अनुरोध करना गलत है। शर्मिला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जुलाई में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने पाया था कि 228 दलित छात्र एक ही शौचालय का उपयोग करने को मजबूर थे। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि क्या सरकार को इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव देना गलत है।

शर्मिला ने एक बयान में कहा, दलित बस्तियों में मंदिर बनाने पर ध्यान केंद्रित करने से पहले, सरकार का ध्यान स्कूलों और वहां बुनियादी ढांचा प्रदान करने पर होना चाहिए। क्या

यह कहना गलत है?'' उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के धन का दुरुपयोग कर रही है और दलितों के हितों की तरफ आंख मूंदे बैठी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री को किसी एक धर्म के प्रति पक्षपाती रवैया नहीं अपनाना चाहिए। न तो मैं और न ही कांग्रेस पार्टी हिंदू धर्म के विरुद्ध है। कांग्रेस एक सर्व-धर्म समावेशी पार्टी है जो संविधान और सभी धर्मों की समानता का सम्मान करती है।

भारत, ईएफटीए व्यापार समझौता एक अक्टूबर से लागू हो गया : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि भारत और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) लागू हो गया है। गोयल ने कहा कि यह समझौता व्यापार, निवेश और रोजगार सृजन के नए अवसर खोलेगा जिससे लोगों और कंपनियों को लाभ होगा।

गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, यह वास्तव में एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) लागू हो गया है। स्विट्जरलैंड के संघीय आर्थिक मामले, शिक्षा और अनुसंधान विभाग के प्रमुख गॉय पारमेलिन ने कहा, आज ईएफटीए और भारत के बीच व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) लागू हो गया है। भारत और ईएफटीए के बीच यह समझौता आपसी व्यापार को बढ़ाने और निवेश प्रोत्साहन के लिए किया गया था।

किसी भी मुद्दे का समाधान केवल बातचीत से ही हो सकता है : लद्दाख उपराज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने 'लेह एपेक्स बॉडी' (एलएबी) और 'कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस' (केडीए) से केंद्र सरकार के साथ बातचीत से दूर रहने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का बुधवार को आग्रह करते हुए कहा कि किसी भी मामले को बैठकर सुलझाया जा सकता है।

गुप्ता ने लद्दाख की स्थिति पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी के लिए उन पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता देश में माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं तथा इसी तरह उन्होंने किसानों के आंदोलन और अन्य विरोध प्रदर्शनों के दौरान भी किया था।

आंदोलनकारी समूहों द्वारा 24 सितंबर की हिंसा की न्यायिक जांच और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक सहित हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई की मांग के बीच उपराज्यपाल ने कहा कि मजिस्ट्रेट जांच की घोषणा पहले ही की जा चुकी है और यह बहुत जल्द शुरू होगी। कर्फ्यूग्रस्त लेह शहर में सप्ताह भर से लगे प्रतिबंधों में अधिकारियों द्वारा सात घंटे की ढील दिए जाने के बाद मंगलवार सुबह से ही स्थिति सामान्य रही। इस ढील के तहत दुकानों तथा व्यापारिक प्रतिष्ठानों को

फिर से खोलने का आदेश दिया गया।

यहां सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक ढील का समय बुधवार को एक घंटे और बढ़ा दिया गया। हालांकि मोबाइल इंटरनेट सेवाएं अब भी निलंबित हैं और कारगिल सहित केंद्र शासित प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध के आदेश भी लागू हैं। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची की मांग को लेकर आंदोलन का नेतृत्व कर रहे एलएबी और केडीए ने अनुकूल माहौल बनने तक वार्ता को स्थगित करने की घोषणा की है। इसी कारण गृह मंत्रालय और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच छह अक्टूबर को होने वाली वार्ता में बाधा उत्पन्न हो गई है। उन्होंने हिंसा की न्यायिक जांच और हिरासत में लिए गए 50 से अधिक लोगों की रिहाई की मांग की। इनमें वांगचुक भी शामिल हैं और उन्हें हिंसा भड़काने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इन दोनों संगठनों ने आरोप लगाया है कि अधिकारियों और सुरक्षा बलों के 'रवैये' के कारण एलएबी के एक घटक द्वारा आहूत बंद के दौरान हिंसा हुई। उपराज्यपाल ने यहां 'पीटीआई वीडियो' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, प्रशासन ने स्थिति को बदतर नहीं बनाया है और न ही हम चाहते थे कि स्थिति ऐसी हो। हिंसा किस वजह से हुई, यह जांच का विषय है।

अमृतसर में ट्रामाडोल की 1.08 लाख गोलियां जब्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। अमृतसर में एक लाख से अधिक ट्रामाडोल गोलियां जब्त की गई हैं। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि पुलिस ने कार में यात्रा कर रहे जोबनजीत सिंह उर्फ जोबन से ट्रामाडोल की1,08,000 गोलियां बरामद कीं। आरोपी के पास से पांच कारतूस और एक पिस्तौल भी बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि ब्यास पुलिस थाने में स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। ट्रामाडोल अफीम जैसे रसायनिक गुणों से युक्त दर्द निवारक दवा है और इसका निर्यात एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 8(सी) के तहत प्रतिबंधित है।

आईजीआई हवाई अड्डे पर आईफोन चोरी के आरोप में ट्रक चालक गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के कार्गो क्षेत्र से दुबई ले जाए जा रहे आईफोन की खेप से फोन चुराने के आरोप में एक ट्रक चालक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पालम गांव निवासी आरोपी सुनील कुमार (36) ने 148 आइफोन की खेप में से कथित तौर पर तीन आईफोन चुरा लिए। आरोपी और उसका साथी जब यात्रा के बाद टैक्सी चालक को किराए का भुगतान नहीं कर सके तो किराए के बदले कुमार ने चोरी किए गए तीन में से एक आईफोन को टैक्सी चालक को दे दिया। पुलिस उपायुक्त (आईजीआई हवाई अड्डा) विचित्र वीर ने कहा, हवाई अड्डे पर संचालित एक परिवहन कंपनी में ट्रक चालक के रूप में कार्यरत कुमार ने अपने सहयोगी विक्की उर्फ लाला के साथ मिलकर माल ले जाते समय आईफोन- 15 का एक सीलबंद पैकेट चुरा लिया। उसका साथी फिलहाल फरार है। मालवाहक कंपनी द्वारा दुबई भेजे गए 148 आईफोन की खेप में से तीन फोन चोरी होने की सूचना दिए जाने के बाद यह मामला प्रकाश में आया। माल प्राप्तकर्ता ने गुम हुए उपकरणों की पुष्टि की और इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने बताया कि चोरी हुआ एक आईफोन हरियाणा के सोनीपत में एक टैक्सी चालक के पास से बरामद किया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को पेसमेकर लगाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बुधवार को पेसमेकर लगाया गया। उनके बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने यह जानकारी दी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, 83 वर्षीय खरगे को मंगलवार को शहर के एम एस रमैया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रियंक ने कहा कि उनके पिता की हालत स्थिर है और वह बेहतर महसूस कर रहे हैं। प्रियंक ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे को पेसमेकर लगाने की सलाह दी गई थी और उन्हें तय प्रक्रिया के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत स्थिर है और वह बेहतर महसूस कर रहे हैं। आपकी चिंता और शुभकामनाओं के लिए आप सभी का आभारी हूं। बाद में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि खरगे की हालत स्थिर है और किसी को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा, डॉक्टरों ने उम्र संबंधी समस्याओं और सांस लेने में तकलीफ के कारण पेसमेकर लगाने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा था कि हृदय गति स्थिर रखने के लिए यह ज़रूरी है। इसके अलावा कोई समस्या नहीं है। प्रियंक ने कहा, प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। सब कुछ ठीक और स्थिर है। किसी को चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है। लोगों के आशीर्वाद और शुभकामनाओं से उन्हें (खरगे) कोई और समस्या नहीं है। प्रियंक ने कहा कि उनके पिता 83 वर्ष के हैं और देश के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष होने के नाते उन पर एक बड़ी ज़िम्मेदारी है और मौजूदा हालात में इस जिम्मेदारी को निभाना निश्चित रूप से एक मुश्किल काम है। प्रियंक ने कहा, लेकिन उनके साथ लोगों का आशीर्वाद और शुभकामनाएं हैं। डॉक्टरों ने सर्जरी के बाद खरगे को आराम करने की सलाह दी है। प्रियंक ने कहा, उन्हें दो-तीन दिन आराम की ज़रूरत पड़ सकती है, चिंता की कोई बात नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने खरगे से अस्पताल जाकर मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। खरगे राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी हैं।

कांग्रेस विधायक ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की बहस को हवा दी, शिवकुमार का किया समर्थन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में कुनिगल से कांग्रेस विधायक एच डी रंगनाथ ने बुधवार को राज्य में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की बहस को फिर से हवा देते हुए कहा कि वह अपने राजनीतिक गुरु उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को एक दिन मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठते देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान को 2023 में 224 सदस्यीय विधानसभा में 140 सीटों के साथ कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने में शिवकुमार की भूमिका को मान्यता देनी चाहिए। रंगनाथ ने यहां संवाददाताओं से कहा, मेरे लिए, मेरे राजनीतिक गुरु डी के शिवकुमार हैं। हमने देखा है कि उन्होंने किस तरह समाज सेवा की, प्रशासनिक कौशल हासिल किया और विकास कार्य किए। वह उप मुख्यमंत्री के रिश्तेदार हैं।

उन्होंने कहा, आज हर नेता कहता है कि कांग्रेस को (कर्नाटक विधानसभा में) 140 सीटें उनके (शिवकुमार) प्रयासों से मिलीं। इसलिए पार्टी आलाकमान को उनके लिए उचित स्थान और सम्मान तय करना चाहिए। विधायक ने कहा कि उनका दृढ़ विश्वास है कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का पदभार भी संभाल रहे शिवकुमार को अंततः कर्नाटक का नेतृत्व करना चाहिए।

रंगनाथ ने कहा, यह स्वाभाविक है कि आलाकमान को कांग्रेस सदस्यों, कार्यकर्ताओं और कर्नाटक के मतदाताओं की इच्छा को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यह वास्तविकता का रूप लेगा। जब उनसे पूछा गया कि ऐसा कब होगा, तो रंगनाथ ने जवाब दिया कि वह ऐसी भविष्यवाणियां करने के लिए बहुत छोटे हैं और यह निर्णय पार्टी आलाकमान को लेना है।

उन्होंने जोर देकर कहा, वर्तमान में हमारे मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्य की गरीब जनता को ध्यान में रखते हुए पांच गारंटी पेश की हैं, जो देश के लिए आदर्श है, लेकिन आने वाले दिनों में डी के शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे। रंगनाथ से पूछा गया कि क्या शिवकुमार इस साल नवंबर में मुख्यमंत्री बनेंगे,तो जवाब में उन्होंने कहा कि वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे क्योंकि उन्हें ऐसी कोई जानकारी नहीं है। विधायक ने कहा,यह फैसला आलाकमान पर छोड़ दिया गया है। इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए मांड्या के पूर्व सांसद एल आर शिवराम गौड़ा ने भी कहा कि शिवकुमार के भविष्य को लेकर कोई संदेह नहीं है।

बेंगलूरु में 16 वर्षीय लड़की को निकाह के लिए मजबूर किया, प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु। बेंगलूरु के अनेपाल्या में हाल ही में एक मस्जिद में 16 वर्षीय लड़की को निकाह के लिए मजबूर करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि निकाह 26 सितंबर को हुआ। पुलिस के अनुसार एक सरकारी अधिकारी की ओर से मिली शिकायत के आधार पर 29 सितंबर को अशोक नगर थाने में बाल विवाह निषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसमें आरोप लगाया गया है कि लड़की के माता-पिता ने उसे निकाह के लिए मजबूर किया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमें एक तीसरे पक्ष से शिकायत मिली जिसके बाद मामला बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को भेज दिया गया। समिति की रिपोर्ट के बाद हमने प्राथमिकी दर्ज की। कानून के अनुसार विस्तृत कार्रवाई की जाएगी।

एक अलग शिकायत में, अधिवक्ता हुसैन ओवैस एस. ने डीजी एवं आईजीपी एमए सलीम और बेंगलूरु पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह को पत्र लिखकर अवैध विवाह के मामले को उजागर किया। शिकायत में शुजात अली, हसन रजा और वक्फ बोर्ड के सदस्य मीर काइम (जिसे अज़ान जाफरी भी कहा जाता है) का नाम उन लोगों में शामिल है, जिन्होंने कथित तौर पर निकाह संपन्न कराया था या उसमें भाग लिया था।

बेंगलूरु में सड़कों पर अब तक 13 हजार गड्ढे भरे जा चुके हैं : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा है कि बेंगलूरु में अब तक 13,000 गड्ढे भरे जा चुके हैं और उनकी योजना बेंगलूरु की सड़क समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने की है। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को बेंगलूरु में 550 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़कों के विकास के लिए 1,100 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया है।

शिवकुमार ने मंगलवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में जारी गड्ढों की मरम्मत और सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। अधिकारियों के अनुसार, शहर में लगभग 4,000 से 5,000 गड्ढों की पहचान की गई है, जिन्हें चरणों में ठीक किया जाएगा। पिछले हफ्ते, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए 30 दिन का समय दिया था कि शहर की सभी सड़कें वाहनों के चलने योग्य हों। शिवकुमार ने कहा, अधिकारी सरकार के आदेशों का पालन कर रहे हैं और गड्ढों को भर रहे हैं। इसके अलावा, मैंने उन्हें 550 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़कों के विकास के लिए 1,100 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्य सड़कों पर कंक्रीट के काम में 26 दिन लगेंगे और इस कार्य के दौरान यातायात नियंत्रण पर चर्चा की जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, मेरी योजना बेंगलूरु की सड़कों का स्थायी समाधान खोजने की है। मुख्यमंत्री ने गड्ढों को भरने के लिए 750 करोड़ रुपये देने का वादा किया है।

डीके शिवकुमार ने गायक जुबिन की तेरहवीं पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को जोरहाट स्पोर्ट्स स्टेडियम में असम के प्रख्यात गायक जुबिन गर्ग की तेरहवीं पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस की असम इकाई के प्रमुख गौरव गोगोई के साथ आए शिवकुमार ने गायक की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग और पूरे परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

शिवकुमार ने गरिमा से कहा कि वह राहुल गांधी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की ओर से आए हैं। उन्होंने गायक की विरासत के संरक्षण में पार्टी की ओर से सभी तरह की मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने गरिमा से कहा, किसी अपने को खोने की पीड़ा अकल्पनीय होती है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं आपके साथ हैं। दुःख की इस घड़ी में, मैं, राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस पार्टी आपके साथ खड़ी है।

सिद्दरामय्या ने भाजपा नेता की 'राहुल गांधी को गोली मारने' संबंधी टिप्पणी पर आश्चर्य व्यक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को एक भाजपा नेता द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी को ''सीने में गोली मारने'' संबंधी टिप्पणी पर आश्चर्य व्यक्त किया और जानना चाहा कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस विचार का समर्थन करते हैं। सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, चौंकाने वाली बात यह है कि भाजपा के एक प्रवक्ता ने खुलेआम जान से मारने की धमकी देते हुए कहा है, हम राहुल गांधी को सीने में गोली मार देंगे, खबरदार..!!, यह धमकी लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को दी गई है, जो लगातार भाजपा और संघ परिवार के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। इस धमकी ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। सिद्दरामय्या ने कहा, इस तरह के बयान पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की चुप्पी ने स्वाभाविक रूप से सभी को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या वे भी इस विचार का समर्थन करते हैं।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि वैचारिक विरोधियों को उनकी आवाज दबाने की धमकी देना और जब यह धमकी विफल हो जाए, तो उन्हें पूरी तरह से खत्म कर देना भाजपा और संघ परिवार के लिए कोई नई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि जो लोग पहले अपने आलोचकों की हत्याओं का समर्थन करते हुए पर्दे के पीछे खड़े थे, वे अब खुलकर मैदान में उतर आए हैं। सिद्दरामय्या ने आरोप लगाया, क्या संघ परिवार के अतिवादियों के शिकार सिर्फ एक या दो लोग हैं?

महात्मा गांधी से शुरू होकर गोविंद पानसरे, नरेंद्र दाभोलकर, एम. एम. कलबुर्गी, गौरी लंकेश और कई अन्य लोगों की हत्याओं की ये सूची बढ़ती जा रही है। उन्होंने दावा किया कि भले ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार के नेता इन हत्यारों से कोई संबंध न होने का दावा करके अपना पल्ला झाड़ लेते हैं, लेकिन वे अपने हाथों पर लगे खून के दाग कभी नहीं धो पाए हैं। सिद्दरामय्या ने दावा किया, अतीत में भी, न केवल मुझे, बल्कि देश के कई लेखकों, विचारकों और कार्यकर्ताओं को भी पत्रों के रूप में जान से मारने की धमकियां मिली हैं। पुलिस इन घटनाओं की जांच कर रही है।

निर्माण स्थल पर मिट्टी का ढेर गिरने से दो प्रवासी मजदूरों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में एक निर्माण स्थल पर मिट्टी के ढेर में दबने से झारखंड के दो प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना मंगलवार शाम को माडीवाला की सिद्धार्थ कॉलोनी में तब हुई जब मजदूरों एक खंभे की नींव पर काम कर रहे थे। अचानक मिट्टी धंसने से उनमें से तीन मजदूरों मलबे के नीचे दब गए।

पुलिस ने बताया कि रजा उद्दीन अंसारी (33) और लाल मदान (32) की मौत हो गई जबकि सैफुल्ला (28) घायल हो गए। सैफुल्ला का इलाज जारी है। पुलिस-उपायुक्त (दक्षिण-पूर्व) सारा फातिमा ने कहा, हमें माडीवाला पुलिस थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम लगभग साढ़े सात बजे सूचना मिली कि एक निर्माण स्थल पर काम कर रहे कुछ मजदूर मलबे के नीचे दब गए हैं और मिट्टी धंस गई है। जब हम मौके पर पहुंचे तो देखा कि तीन लोग फंसे हुए थे, जिन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि सैफुल्ला खतरे से बाहर हैं जबकि अन्य दो की मौत हो गई। उपायुक्त ने कहा, सभी मजदूरों झारखंड के रहने वाले थे और लगभग तीन महीने पहले इस निर्माण स्थल पर काम करने आए थे। मामला दर्ज कर लिया गया है और हम जांच करेंगे कि यह घटना कैसे हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है।

हासन जिले में संदिग्ध विस्फोट में घायल दंपति की इलाज के दौरान मौत

बेंगलूरु। हासन जिले के आलूर तालुका में एक संदिग्ध विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुए एक दंपति की बेंगलूरु के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सुदर्शन (32) और काव्या (28) को बेहतर इलाज के लिए हासन जिले से बेंगलूरु के विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां मंगलवार देर रात उनकी मृत्यु हो गई।

यह विस्फोट सोमवार रात हासन जिले के आलूर तालुका स्थित उनके घर पर हुआ था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआत में यह संदेह जताया गया था कि यह सिलेंडर विस्फोट है लेकिन पुलिस अभी तक विस्फोट के वास्तविक कारण का पता नहीं लगा पाई है। पुलिस के अनुसार, 29 सितंबर को मोहन कुमार की शिकायत के आधार पर आलूर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था। यह शिकायत उनके घर में हुए विस्फोट के बाद दी गई थी।

शिकायतकर्ता के अनुसार, सोमवार रात लगभग साढ़े आठ बजे जब वह, उनका बेटा, बहू और पोते-पोतियां घर पर थे तब शौचालय के पास एक धमाका हुआ, जिसमें उनके बेटे और बहू झुलस गए। पुलिस ने बताया कि घर की लॉबी में मौजूद कुमार और उनके पोते-पोतियां सुरक्षित बच गए। अधिकारी ने कहा, हमने जो जांच की है उसके अनुसार, काव्या और सुदर्शन घर के गलियारे वाले क्षेत्र में किसी चीज पर काम कर रहे थे जिसके कारण विस्फोट हुआ। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्हें संदेह है कि यह हादसा सिलेंडर विस्फोट या किसी अन्य वस्तु के कारण हो सकता है।

सिद्दरामय्या ने सामाजिक-आर्थिक सर्वे का बचाव किया, भाजपा पर समाज में असमानता बनाए रखने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राज्य में जारी सामाजिक एवं आर्थिक सर्वेक्षण का बचाव करते हुए बुधवार को कहा कि सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों से समाज में समानता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इस सर्वेक्षण को व्यापक रूप से जातिगत गणना कहा जा रहा है। उन्होंने विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह चाहती है कि समाज में असमानता बनी रहे, ताकि एक समुदाय का वर्चस्व कायम रहे। सिद्दरामय्या ने एक सवाल के जवाब में पत्रकारों से कहा, यह एक सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण है। समाज में असमानता है। समानता सुनिश्चित करने के लिए, हमें विभिन्न जातियों के लोगों में गरीबी, बेरोजगारी और निरक्षरता के आंकड़े चाहिए। जब हमें ये आंकड़े पता होंगे, तभी हम आंबेडकर की कल्पना के अनुसार समानता सुनिश्चित कर पाएंगे।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री एवं जनता दल (सेक्युलर) के नेता एच डी कुमारस्वामी के उस कथित बयान पर भी कटाक्ष किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि जातिगत गणना से समाज को कोई लाभ नहीं होगा। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा किया जा रहा यह सर्वेक्षण 22 सितंबर को शुरू हुआ था और सात अक्टूबर को समाप्त होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चाहती है कि एक समुदाय का वर्चस्व कायम रखने के लिए समाज में असमानता बनी रहे। उन्होंने कहा, वे किसी और चीज के बारे में नहीं सोचते। सिद्दरामय्या ने दावा किया, केंद्र सरकार ने आगामी राष्ट्रीय जनगणना के दौरान जातिगत गणना कराने का फैसला क्यों किया है? वे हमारे (कांग्रेस) और राहुल गांधी के दबाव में ऐसा कर रहे हैं। भाजपा ने कांग्रेस पर राज्य में इस सर्वेक्षण के जरिये हिंदुओं को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और बेंगलूरु दक्षिण से सांसद तेजस्वी सूर्या समेत भाजपा के कुछ नेताओं ने तो इस प्रक्रिया का बहिष्कार करने की भी बात कही है।

मैं पूरे पांच साल तक मुख्यमंत्री पद पर रहूंगा : सिद्दरामय्या

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि वह पूरे पांच साल मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे। कुणिगल विधायक एच.डी. रंगनाथ सहित कुछ कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को बयान दिया था कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनना चाहिए, जिसके बाद ही मुख्यमंत्री ने यह बात कही है। सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैं पूरे पांच साल तक मुख्यमंत्री पद पर रहूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह अगले साल मैसुरु में दशहरा के दौरान पुष्पार्चन करेंगे।

मैसूरु में शाही दशहरा समारोह के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा पुष्पार्चन करने की परंपरा होती है। उन्होंने यह भी कहा कि वह पार्टी आलाकमान के निर्देशों का पालन करेंगे। सिद्दरामय्या ने कहा, आलाकमान जो भी फैसला करेगा, हमें उसका पालन करना होगा।

चेन्नई में निर्माणाधीन इमारत गिरने से नौ मजदूरों की मौत पर ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज

चेन्नई/भाषा। एन्नोर ताप विद्युत संयंत्र की एक निर्माणाधीन इमारत के ढहने से 30 सितंबर को नौ प्रवासी मजदूरों की मौत के मामले में ठेकेदार के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है। नौ मृतक असम के रहने वाले थे। कडूर थाने के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच जारी है। स्टालिन ने बिजली मंत्री एस. एस. शिवशंकर और टीएएनजीईडीसीओ के अध्यक्ष के. राधाकृष्णन को दुर्घटनास्थल पर राहत कार्य की तुरंत निगरानी करने का निर्देश दिया है। 'पीटीआई-भाषा' से बात करते हुए, राधाकृष्णन ने कहा कि जब यह हादसा हुआ, तब प्रवासी मजदूर निर्माणाधीन इमारत के नीचे खड़े थे। उन्होंने कहा, जिस आधार पर वे खड़े थे, उसके ढह जाने से दस लोग उस ऊंचाई (45 मीटर) से नीचे गिर गए। बीएचईएल ने डिजाइन और निर्माण का काम अपने हाथ में ले लिया है।

यूडीएफ राहुल को मिली धमकी के मुद्दे को हवा दे रहा क्योंकि उसके पास और कोई और विषय नहीं : रियास

कोझिकोड (केरल)/भाषा। केरल के लोक निर्माण मंत्री पी ए मोहम्मद रियास ने बुधवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन यूडीएफ, कांग्रेस नेता राहुल गांधी को एबीवीपी के एक पूर्व नेता द्वारा दी गई जान से मारने की धमकी के मामले में राज्य सरकार को दोषी ठहरा रहा है क्योंकि विपक्ष के पास एलडीएफ सरकार के बारे में कहने के लिए और कुछ नहीं है।

मंत्री एक दिन पहले राज्य विधानसभा में विपक्ष द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन का जिक्र कर रहे थे, जब विधानसभा अध्यक्ष ने एक भाजपा नेता द्वारा गांधी के खिलाफ ''जान से मारने'' की धमकी वाली टिप्पणी पर चर्चा की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

यह विरोध सोमवार को पुलिस द्वारा भाजपा नेता प्रिंटू महादेवन के खिलाफ 26 सितंबर को एक टेलीविजन बहस के दौरान कथित तौर पर की गई टिप्पणी के लिए मामला दर्ज किए जाने के बाद हुआ।

विधानसभा अध्यक्ष ए एन शमशीर ने केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) प्रमुख सनी जोसेफ को स्थगन प्रस्ताव के रूप में यह मुद्दा उठाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया, यह कहते हुए कि ''इसकी तत्काल कोई प्रासंगिकता या महत्व नहीं है। इसके बाद, विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने अध्यक्ष के फैसले पर सवाल उठाते हुए पूछा कि टेलीविजन पर बहस के दौरान ऐसी टिप्पणियों को अप्रासंगिक कैसे माना जा सकता है। उन्होंने कहा, हम अध्यक्ष की इस टिप्पणी का कड़ा विरोध करते हैं कि मामला गंभीर नहीं है।यूडीएफ का विरोध तेज होने पर अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी। बुधवार को रियास ने कहा कि सदन विपक्ष द्वारा लाए गए हर स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा कर रहा है। मंगलवार को, वे एक समाचार चैनल पर बहस के दौरान राहुल गांधी को दी गई जान से मारने की धमकी पर चर्चा करना चाहते थे।

मंत्री ने कहा, हम सभी इसकी निंदा करते हैं क्योंकि सिर्फ राहुल गांधी ही नहीं, किसी और को भी उनके राजनीतिक कार्यों के लिए इस तरह की धमकी नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने दावा किया, आरएसएस ने राज्य में सबसे ज्यादा राजनीतिक हत्याएं की हैं और ज्यादातर पीड़ित हमारे साथी रहे हैं। रियास ने कहा कि जब केरल में माकपा सत्ता में है, तो अल्पसंख्यक और धर्मनिरपेक्ष लोग सुरक्षित हैं और लोग इस बारे में जागरूक हैं। उन्होंने आरोप लगाया, लोगों में सुरक्षा की इस भावना को नष्ट करने के लिए यूडीएफ इस तरह के आरोप लगा रहा है।

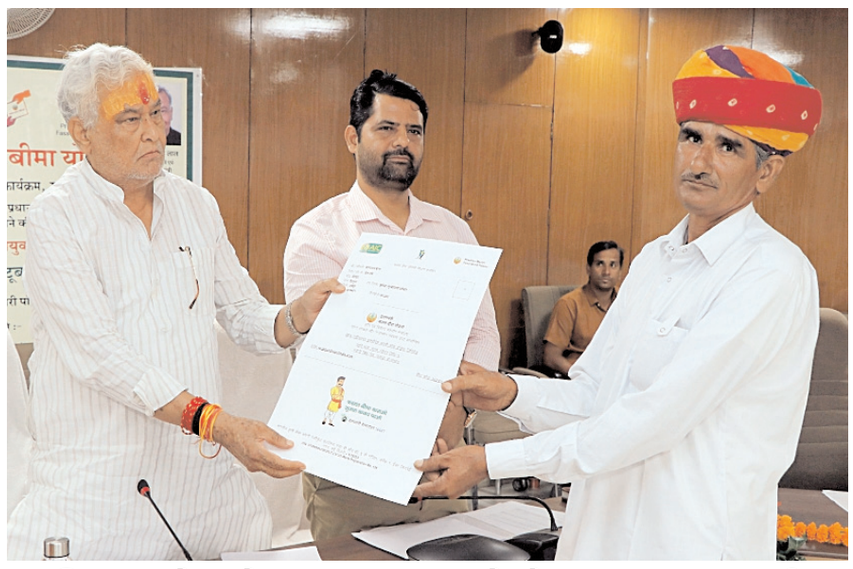

किसानों को फसल खराबे के नुकसान की भरपाई के लिए सरकार कटिबद्ध : किरोड़ीलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने बुधवार को पंत कृषि भवन में किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पॉलिसियों का वितरण कर खरीफ 2025 की 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' अभियान के राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कृषि मंत्री ने कहा कि पूरे देश में खरीफ 2025 की 8 करोड़ 71 लाख बीमा पॉलिसियां करवाई गई हैं, जिनमें से 2 करोड़ 16 लाख यानी लगभग 25 प्रतिशत पॉलिसियां राजस्थान की हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को बीमा के प्रति जागरुक करने के लिए पूरे प्रदेश में ग्राम पंचायत मुख्यालय पर शिविर लगाकर 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक घर-घर जाकर पॉलिसियों का वितरण किया जा रहा है एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा नवीन कृषि तकनीकों एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जो किसान इन शिविरों में पॉलिसी प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं, वे अपनी फसल बीमा पॉलिसी संबंधित कृषि पर्यवेक्षक एवं बीमा कंपनी के स्थानीय कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि फसल बुआई करने के बाद किसी कारण से फसल नहीं उग पाती है तो ऐसे किसान को बीमित राशि का 25 प्रतिशत मुआवजा दिया जा रहा है। बुआई से कटाई तक विभिन्न प्रकार की आपदाओं एवं फसल कटाई पश्चात सुखाने के लिए खेत में पडी फसल में बेमौसम वर्षा, ओलावृष्टि, चक्रवात और चक्रवाती वर्षा जैसी प्राकृतिक आपदाओं से नुकसान झेलना पड़ता है। इन आपदाओं से कृषकों को राहत प्रदान करने के लिये केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना वरदान साबित हो रही है। केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा निरन्तर प्रचार-प्रसार और किसानों को समय पर बीमा क्लेम का भुगतान मिल जाने से इस योजना की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है।

डॉ. किरोडी लाल ने कहा कि किसानों को इन विकट परिस्थितियों में नुकसान होने पर सरकार द्वारा सहायता मिलने से आर्थिक मजबूती मिलती है, जिससे वे अपने परिवार का पालन पोषण अच्छी तरह से कर पाते हैं। पॉलिसी वितरण के दौरान किसान पाठशाला के माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार सभी ग्राम पंचायतों में किया जाएगा। बीमा कंपनियों द्वारा राज्य के सभी ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन कर लगभग 32.10 लाख कृषकों को लगभग 2.16 करोड़ पॉलिसियों का वितरण किया जाएगा।

कृषि मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा में हुए नुकसान की आपदा प्रबंधन द्वारा गिरदावरी करके किसानों को नुकसान की भरपाई की जा रही है। कृषि विभाग किसानों की उपज की पैदावार में वृद्धि के हर संभव प्रयास कर रहा है। कृषक केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ लें जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो। दूर-दराज के क्षेत्र, जहां बिजली की सुविधा उपलब्ध नहीं है, वहां किसान पीएम कुसुम कंपोनेन्ट बी योजना के तहत सोलर पंप लगवाकर अपने खेतों की सिंचाई कर सकते हैं। जिसमें राज्य सरकार द्वारा 60 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कृषकों को खरीफ फसल के लिए 2 प्रतिशत, रबी फसलों के लिए 1.5 प्रतिशत और वाणिज्यिक व बागवानी फसलों के लिये 5 प्रतिशत प्रीमियम अदा करना पड़ता है। फसल बीमा सभी श्रेणी के कृषकों के लिए खरीफ 2022 से स्वैच्छिक है लेकिन ऋणी कृषकों को योजना से पृथक होने के लिए योजना से जुड़ने के अन्तिम तिथि से सात दिन पूर्व लिखित में आवेदन किया जाना आवश्यक है।

बैठक में शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल, आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी सुचिन्मयी गोपाल, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल जाट, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस. एस. शेखावत, अतिरिक्त निदेशक कृषि (अनुसंधान) अजय कुमार पचौरी, संयुक्त निदेशक कृषि (फसल बीमा) डॉ. जगदेव सिंह सहित विभागीय अधिकारी और कृषक उपस्थित रहे।

जीएसटी बचत उत्सव : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीएसटी सुधार की पहल से आमजन को मिल रही राहत : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में 22 सितंबर से 29 सितंबर तक जीएसटी बचत उत्सव मनाया गया। इस बचत उत्सव के दौरान प्रदेशभर में आमजन और व्यापारियों को जीएसटी रिफॉर्म्स की जानकारी देते हुए इसके फायदों के बारे में अवगत करवाया गया। इस उत्सव के अंतर्गत आयोजित जीएसटी सुधार एवं दर युक्तिकरण जन जागरूकता अभियान में प्रदेशवासियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

मुख्यमंत्री शर्मा ने जयपुर के मानसरोवर क्षेत्र और भीलवाड़ा के सदरबाजार में जाकर व्यापारियों और आमजन को जीएसटी सुधार के संबंध में जागरूक किया। बचत उत्सव के अंतर्गत प्रत्येक जिले में प्रभारी मंत्री, जनप्रतिनिधि, जिला कलेक्टर एवं वाणिज्यिक कर विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई, जिससे आमजन को जीएसटी सुधारों की जानकारी दी गई। व्यापार मंडल, डॉक्टर, सीए-सीएस एवं अन्य प्रोफेशनल्स को शामिल कर इन्टरेक्टिव सेशन्स भी आयोजित किए गए, जिसमें उद्यमियों एवं आमजन को जीएसटी सुधारों से मिलने वाले लाभों के बारे में जागरूक किया है। साथ ही, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर 'सेविंग वॉल' भी लगाई गई, जिसमें सामान्य वस्तुओं पर पुराने एवं नये जीएसटी दरों का उल्लेख किया गया है।

वाणिज्यिक विभाग द्वारा जीएसटी सुधार से आमजन को हुई बचत की जानकारी देने के

लिए मोबाइल ऐप भी बनाई है। साथ ही, दुकानदारों को डिजिटल/फिजिकल स्टिकर बांटे गए, जिसमें 'जीएसटी 2.0 के फायदें लागू हैं' का उल्लेख किया गया। इससे आमजन को उत्पादों में हुई रेशनलाइज्ड दरों की जानकारी दी गई। बचत उत्सव के दौरान एफएम और रेडियो चैनलों पर छोटे-छोटे जिंगल्स, 'सफलता की कहानियों' के कैम्पेन, सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार, विभागीय वेबसाइट पर जीएसटी सुधारों की जानकारी एवं आईटी विभाग के वीडियो वॉल्स पर संबंधित एनिमेशन सहित विभिन्न नवाचार किए गए।

इस अभियान के सफल क्रियान्वयन से आमजन, किसान, व्यापारी एवं उद्योगपतियों सहित समाज के सभी वर्गों को जीएसटी दरों में कटौती का लाभ मिलना सुनिश्चित हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से जीएसटी में सुधार की घोषणा की जो 22 सितंबर 2025 से प्रभावी हुई। जीएसटी रिफॉर्म्स लागू होने के बाद अब देश में मुख्य रूप से जीएसटी की दो दरें 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत प्रभावी हो गई हैं। विलासिता से संबंधित वस्तुओं को ही 40 प्रतिशत टैक्स की श्रेणी में रख गया है। वहीं नई कर संरचना में कम्पन्सेशन सेस भी हटा दिया गया है। जीएसटी के नए प्रावधानों का सीधा प्रभाव आम आदमी पर हुआ है। अब जीवन की मूलभूत आवश्यकता रोटी, कपड़ा और मकान सस्ते हो गए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र को भी नए जीएसटी प्रावधानों का लाभ मिला है। इन जानकारियों को आमजन तक पहुंचाने के क्रम में प्रदेश में 22 से 29 सितम्बर तक जीएसटी बचत उत्सव का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 में जीएसटी लागू होने से लेकर अब तक जीएसटी करदाताओं की संख्या 66.5 लाख से बढ़कर 1.51 करोड़ हो गई है। वहीं, राजस्थान में भी जीएसटी करदाता 4.34 लाख से बढ़कर 9.31 लाख हो गए हैं। इसी प्रकार, राज्य के जीएसटी राजस्व में निरंतर वृद्धि दर्ज हुई है और वित्त वर्ष 2024-25 में यह 42 हजार 518 करोड़ हो गया है।

जोधपुर जेल में वांगचुक से मिलने की अनुमति नहीं मिलने पर सांसद ने सरकार से स्थिति स्पष्ट करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जोधपुर के केंद्रीय कारागार में बंद लद्दाख के कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मुलाकात की अनुमति नहीं मिलने पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के सांसद अमरा राम ने कहा कि सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह किन शर्तों के तहत वांगचुक से मिलने की अनुमति देगी। जेल में वांगचुक से मिलने गए अमरा राम आधे घंटे इंतजार करने के बाद आखिरकार जेल से लौट आए थे। सीकर के सांसद मंगलवार शाम को जेल गए तो मुख्य द्वार से थोड़ी ही दूरी पर पुलिस अवरोधक लगे हुए थे। इसके बाद उन्होंने जेल अधीक्षक को पत्र लिखकर वांगचुक से मिलने की अनुमति मांगी, लेकिन प्रशासन ने नियमों का हवाला देते हुए मना कर दिया।

लद्दाख में 24 सितंबर को हिंसक प्रदर्शन भड़काने के आरोप में शुक्रवार को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत लेह में हिरासत में लिए जाने के बाद वांगचुक को जोधपुर जेल ले जाया गया था।

वह लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग वाले आंदोलन में सबसे आगे रहे हैं। अमरा राम ने जेल के बाहर संवाददाताओं से कहा, ''लद्दाख के लोगों से किए गए वादे पूरे नहीं किए गए, प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाई गईं और उनके नेता सोनम वांगचुक को सलाखों के पीछे डाल दिया गया।'' उन्होंने कहा, ''वांगचुक कोई आतंकवादी नहीं हैं कि उनसे मिलने से भी मना कर दिया जाए। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह वांगचुक से कब और किन शर्तों पर मुलाकात की अनुमति देगी।'' सांसद ने केंद्र सरकार पर विश्वासघात करने और दमनकारी रवैया अपनाने का भी आरोप लगाया।

हमले में व्यक्ति का कटा हाथ एम्स जोधपुर में जोड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। एनएसजी कमांडो द्वारा तलवार से किए गए हमले में एक व्यक्ति का हाथ कट गया था, जिसे जटिल और लंबी चिकित्सा प्रक्रिया के बाद फिर से जोड़ दिया गया। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जोधपुर के एक शीर्ष सर्जन ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरलाल को जब अस्पताल लाया गया, उनका दाहिना हाथ लगभग पूरी तरह से कट गया था और सिर्फ़ त्वचा की एक पतली परत के सहारे लटका हुआ था। उन्होंने बताया कि हरलाल के बाएं हाथ में फ्रैक्चर थे और नसों और रक्त वाहिकाओं में गंभीर चोटें आई थीं। मरीज को पहले स्थिर किया गया और फिर सर्जरी के लिए तैयार किया गया, जिसमें 10 घंटे से ज़्यादा समय लगा।

प्लास्टिक सर्जरी विभाग के प्रमुख प्रकाश चंद्र काला के अनुसार, बारीक रक्त वाहिकाओं को फिर से जोड़ा गया और फिर हड्डियों और अन्य संरचनाओं को बहाल किया गया। काला ने कहा कि सर्जरी न केवल तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण थी, बल्कि इसके लिए बेहद कुशलता की भी आवश्यकता थी। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन को 10 दिन हो चुके हैं और हरलाल के दाहिने हाथ की उंगलियों में रक्त संचार सामान्य है। उन्होंने कहा कि हड्डी के उपचार और फिजियोथेरेपी सत्र के बाद मरीज अगले 3-4 सप्ताह में ऑपरेशन किए गए हाथ से सामान्य गतिविधियां करने में सक्षम हो जाएगा। बाड़मेर के सदर थाना क्षेत्र में 17 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) कमांडो चंपालाल और उसके दोस्तों ने एक शराब व्यापारी और उसके दो साथियों पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया था। उन्होंने शराब व्यापारी और उसके एक साथी के हाथ-पैर काट दिए। शराब व्यापारी की मौत हो गई, जबकि हरलाल का एक हाथ लगभग कट गया। हमले के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है।

खांसी की दवाओं पर सरकार सख्त : बच्चों के बीमार पड़ने पर खांसी की दवाओं की जांच के आदेश, तीन सदस्यीय कमेटी गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भरतपुर और सीकर में खांसी की दवा से बच्चों के गंभीर बीमार होने के मामले में चिकित्सा विभाग में दवा सप्लाई का जिम्मा उठा रही इकाई राजस्थान मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन ने प्रदेश में सरकारी अस्पताल में सप्लाई होने वाली सभी खांसी की दवाओं की जांच कराने का फैसला किया है। सभी के नमूने भी जांच के लिए भेज दिए गए हैं। कॉरपोरेशन ने दवा के वितरण एवं उपयोग सहित अन्य पक्षों की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन भी किया है। कमेटी में आरएमएससीएल के कार्यकारी निदेशक गुणवत्ता नियंत्रण, कार्यकारी निदेशक लॉजिस्टिक एवं मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना के नोडल अधिकारी को शामिल किया गया है।

यह कमेटी जल्द अपनी रिपोर्ट देगी। रिपोर्ट आने पर प्रकरण में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। दवा का वैधानिक नमूना लेकर जांच के लिए पहले ही राजकीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भेज दिया गया है। दवा की लैब रिपोर्ट एवं कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण में अग्रिम कार्रवाई होगी। गौरतलब है कि बच्चों के बीमार होने के बाद दवा के इन बैचों के वितरण व मरीजों के उपयोग के लिए उसी दिन रोक लगा दी गई थी। नमूने भी जांच को भेज दिए गए थे। खांसी की यह दवा कम्पनी द्वारा इस वर्ष के जून 2025 से आपूर्ति की जा रही है तथा अब तक 1 लाख 33 हजार से अधिक मरीजों को वितरित की जा चुकी है लेकिन 28 सितम्बर से पूर्व एक भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई थी। इसके बाद कम्पनी को माह जुलाई 2025 में दिए गए क्रियादेशों के तहत प्राप्त आपूर्ति में से अब तक 31 हजार से अधिक मरीजों को यह दवा वितरित की जा चुकी है परन्तु इससे पूर्व भी कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। अब मामले सामने आए हैं। हालांकि कंपनी की सप्लाई से पहले दवाइयों की जांच होती है।

जन्मदिन पर डोटासरा को बधाई देने पहुंचे कांग्रेसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने बुधवार को जन्मदिन के अवसर पर बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया। उनके जन्मदिन पर 23 विधायक और पांच लोकसभा सांसद सहित कांग्रेस जिलाध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य के साथ ही 10 से ज्यादा पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक और पूर्व बोर्ड निगमों के अध्यक्ष भी बधाई देने पहुंचे थे।

पीसीसी वॉर रूम के बाहर लगाए गए विशाल मंच पर कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ी और डोटासरा को बधाई दी। वहीं राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भी जयपुर पहुंचकर डोटासरा को माला पहनाकर जन्मदिन की बधाई दी। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी पूरे कार्यक्रम के दौरान के साथ खड़े रहे। वहीं दूर दराज से आए कार्यकर्ता ढोल ताशे की धुन पर नाचते गाते हुए कांग्रेस वॉर रूम के बाहर पहुंचे थे तो वहीं युवा कांग्रेस और कांग्रेस के अग्रिम संगठनों के कार्यकर्ता भी लोक कलाकारों के साथ नृत्य करते हुए पहुंचे थे। पीसीसी वॉर के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के जमावड़े के चलते सी स्कीम, अंबेडकर सर्किल सहित कई जगहों पर जाम की स्थिति बन गई।

बरसात से कटाई के बाद रखी फसल खराब होने पर मिल सकेगा बीमा क्लेम, 72 घण्टे में देनी होगी सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने बताया कि राज्य में वर्तमान में हो रही बेमौसम बरसात, ओलावृष्टि, चक्रवर्ती वर्षा एवं चक्रवात से कटाई के बाद 14 दिन तक की अवधि तक खेत में सुखाने के लिए रखी फसल खराब होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत नुकसान की भरपाई हो सकेगी, जिसके लिए प्रभावित बीमित फसल के काश्तकार को 72 घण्टे के भीतर खराबे की सूचना कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्पलाइन नंबर 14447 पर देनी होगी। कृषि विभाग ने बीमा कम्पनियों को प्राप्त सभी इंटीमेशन का तत्काल सर्वे कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं।

विशाल ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत असामयिक वर्षा के कारण फसल कटाई उपरान्त खेत में सुखाने के लिए रखी फसल को 14 दिन की अवधि में नुकसान होने पर व्यक्तिगत आधार पर बीमा आवरण उपलब्ध है। असामयिक वर्षा से प्रभावित काश्तकारों के लिए बीमित फसल के नुकसान की सूचना 72 घण्टे के भीतर जिले में कार्यरत बीमा कम्पनी को देना जरूरी है, ताकि नुकसान का आकलन कर बीमा क्लेम देने की कार्यवाही की जा सके। फसल में हुए नुकसान की सूचना कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्पलाइन नंबर 14447 दी जा सकती है। इसके अलावा प्रभावित किसान जिले में कार्यरत बीमा कम्पनी, नज़दीकी कृषि कार्यालय अथवा सम्बन्धित बैंक को भी हानि प्रपत्र भरकर सूचना दे सकते है। उन्होंने बताया कि विभागीय अधिकारियों एवं बीमा कम्पनियों को तत्काल फील्ड में पहुंचकर फसल खराबे का सर्वे प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं, ताकि प्रभावित किसानों को बीमित फसलों के नुकसान का क्लेम दिलवाकर राहत प्रदान की जा सके।

कन्या पूजन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नवरात्र के महानवमी पर्व पर मुख्यमंत्री निवास पर देवी स्वरूपा कन्याओं का सपत्नीक पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने देवी मां सिद्धिदात्री से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

गौशाला संचालक निर्धारित मापदण्डों के अनुसार गोवंश की संख्या बढाएं : कुमावत

जयपुर, 1अक्टूबर। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने बुधवार को बूंदी जिला कलेक्ट्रेट सभागार में गौशाला संचालकों, पशुपालकों एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पशुपालन मंत्री ने बूंदी जिले में संचालित 6 अपात्र गौशालाओं की तहसीलवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि गौशाला संचालक निर्धारित मापदण्डों के अनुसार गोवंश की संख्या बढाएं। साथ ही अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं सुचारू करें, ताकि उन्हें भी राज्य सरकार द्वारा अनुदान उपलब्ध करवाया जा सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़कों पर निराश्रित गोवंशों को भी गोशाला में भर्ती करवाकर उनकी देखभाल की जाएं। उन्होंने जिले में संचालित पात्र गौशालाओं के संचालकों को वर्तमान में संचालन संबंधी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा

करते हुए निर्देश दिए कि चारागाह भूमि पर हो रहे अतिक्रमण हटाएं और मृत गोवंश के उठाव की समुचित व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि घायल पशुओं के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था हों। गोशालाओं में पेयजल, छाया, चारा भण्डारण, चार दीवारी की व्यवस्था की जावें। कुमावत ने मोबाइल वेटरनिटी 1062 हेल्पलाइन, गौशाला विकास योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा दिए जा रहे अनुदान, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत प्रत्येक पशुपालक के पशुओं की हानि होने पर मिलने वाली मुआवजा राशि, लम्पी रोग की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में पशुपालकों को जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि गाय की सेवा करना ही हम सबका लक्ष्य हैं। गाय न केवल मनुष्य जीवन को बेहतर बनाती है, उससे प्राप्त होने वाला खाद, गो मूत्र, गोबर सहित अन्य सामग्री मनुष्य जीवन के लिए बेहद उपयोगी होती हैं। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत चारागाह भूमि पर ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण कार्य किया जाएं। पशुपालन मंत्री ने बैठक में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत जिले में हुए कुल पंजीयन, अर्जित लक्ष्य, प्राप्त लक्ष्य, ग्रामीण सेवा शिविर, पशुओं में विभिन्न रोगों की जांच, बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के तहत घोषित पशु चिकित्सा उपकेन्द्र की वर्तमान स्थिति, एमएफडी टीकाकरण के तहत गाय व भैंस को किए गए टीकाकरण, भेड निष्क्रमण कार्यक्रम की समीक्षा की।

आरएसएस की 100 वर्ष की यात्रा के पीछे लोगों का स्नेह और समर्थन : होसबाले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बुधवार को कहा कि आरएसएस ने पिछले 100 वर्षों से, विरोध के बावजूद, जनता के स्नेह के कारण, सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बनने का प्रयास किया है।

होसबाले की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आरएसएस की शताब्दी के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट और एक सिक्का जारी करने से कुछ मिनट पहले आई। उन्होंने इस कदम के लिए सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह संघ के ''निःस्वार्थ'' कार्यों को मान्यता प्रदान करने के समान है। होसबाले ने कहा कि संघ और उसके स्वयंसेवक 1925 में विजयादशमी के अवसर पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा इसकी स्थापना किए जाने के बाद से ही व्यक्तियों के चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के अपने मिशन पर बिना किसी स्वार्थ के काम कर रहे हैं।

वह केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आरएसएस के दूसरे नंबर के पदाधिकारी ने कहा, यह संघ के स्वयंसेवकों और देशभक्तों के लिए खुशी की बात है... कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने इस विशेष अवसर पर एक डाक टिकट और सिक्का जारी करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, विदेश में रहने वाले स्वयंसेवकों सहित सभी स्वयंसेवकों

की ओर से, मैं इसके लिए अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूं।

होसबाले ने कहा कि राष्ट्र के प्रति योगदान के लिए व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करना भारत में एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा रही है। उन्होंने कहा, भारत सरकार ने इस परंपरा को जारी रखा है। मेरा मानना है कि इस तरह संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर भारत के लोगों की ओर से संघ के कार्यों को मान्यता दी गई है। होसबाले ने आरएसएस के 100 वर्षों को एक 'दिलचस्प' यात्रा बताया और कहा कि देश के लोगों द्वारा संघ के विचारों को मिले प्यार, समर्थन और स्वीकृति के कारण ही संघ इतनी दूर तक पहुंच पाया है। उन्होंने कहा, संघ को हर तरह के विरोध, संघर्ष और उदासीनता का सामना करना पड़ा, लेकिन उस दिन से (आरएसएस की स्थापना के दिन से) संघ कार्यकर्ताओं ने लोगों की आत्मीयता, स्नेह, समर्थन और सहयोग का अनुभव किया है। होसबाले ने कहा कि ''आरएसएस का विचार भारत का विचार है'' जो इसकी जड़ों, इसकी संस्कृति और इसकी सभ्यता में समाहित है। उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों से भारत के लोग इस विचार का पालन करते रहे हैं, इसे जीते रहे हैं और एक श्रेष्ठ समाज के निर्माण के संकल्प के साथ इसे आगे बढ़ाते रहे हैं। हम उस विचार, उस जीवन दर्शन, उस संस्कृति की पहचान हैं। होसबाले ने कहा कि संघ के विचार ने लोगों में फिर से आनंद जगाया है और उनमें यह विश्वास भरा है कि वे दुनिया में ''सर्वश्रेष्ठ समाज'' के रूप में उभरने में सक्षम हैं।

उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा में जालसाजी के आरोप में 114 अभ्यार्थियों सहित 117 गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/ब्रह्मपुर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने उप-निरीक्षक पद पर भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा स्थगित किए जाने के एक दिन बाद बुधवार को गंजाम जिले से धोखाधड़ी, जालसाजी और फर्जीवाड़ा करने के आरोप में 114 उम्मीदवारों सहित 117 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

यह कार्रवाई ओडिशा पुलिस भर्ती बोर्ड (ओपीआरबी) द्वारा 5-6 अक्टूबर को आयोजित होने वाली उप-निरीक्षक भर्ती परीक्षा (लिखित) को कथित रूप से बाधित करने में शामिल एक गिरोह पर कार्रवाई के बाद की गई। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए 117 लोगों में से तीन एजेंट हैं। ब्रह्मपुर के पुलिस अधीक्षक सरवण विवेक एम ने संवाददाताओं को बताया, भारतीय न्याय संहिता और ओडिशा सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 की विभिन्न धाराओं के तहत गोलंथरा पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

ओडिशा पुलिस ने एक बयान में बताया कि आगामी परीक्षा से संबंधित कदाचार के बारे में एक गुप्त सूचना के आधार पर उसकी टीम ने आंध्र प्रदेश सीमा के पास तीन एसी बसों को रोका। बयान के मुताबिक, सत्यापन के दौरान जानकारी मिली कि तीनों बसों में 117 यात्री सवार थे। इनमें से 114 लोगों ने आगामी उप निरीक्षक परीक्षा के लिए आवेदन किया था। यह मामला संदिग्ध लगने पर आगे की जांच की गई और खुलासा हुआ कि ये अभ्यर्थी भुवनेश्वर से तीन बसों में सवार हुए थे और विजयनगरम में किसी अज्ञात स्थान पर जा रहे थे...। पुलिस के मुताबिक, वे सभी आगामी उप निरीक्षक परीक्षा को बाधित करने के संगठित अपराध में संलिप्त हैं। उसने बताया कि आरोपियों की योजना विजयनगरम में गुप्त रूप से प्रश्नपत्र प्राप्त करने और परीक्षा देने के लिए भुवनेश्वर वापस आने की थी। बयान के मुताबिक इसके लिए अभ्यार्थियों ने 25-25 लाख रुपए का भुगतान करने पर सहमति जताई थी। करार के तहत उन्हें 10-10 लाख रुपए पेशगी के तौर पर देने थे जबकि शेष 15-15 लाख रुपए नियुक्ति पत्र मिलने के बाद देने थे। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ है कि इस गिरोह में कई और एजेंट शामिल हैं। ओपीआरबी ने मंगलवार को एक अधिसूचना में 5-6 अक्टूबर को होने वाली एसआई भर्ती परीक्षा को स्थगित करने की घोषणा की थी।

बिहार के सभी 38 जिलों में अब होंगे केंद्रीय विद्यालय, केंद्र ने 19 नए स्कूलों को दी मंजूरी

पटना/भाषा। बिहार में केंद्र सरकार ने 19 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना को मंजूरी दे दी है जिससे राज्य के सभी 38 जिलों में केंद्रीय विद्यालय खुल जाएंगे। यह जानकारी बिहार सरकार ने बुधवार को दी। शिक्षा विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि नए विद्यालयों की स्थापना के लिए स्थायी भवन के वास्ते भूमि उपलब्ध कराने के साथ-साथ निर्माण मद एवं फर्नीचर मद में आवश्यक धनराशि भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके मुताबिक, शुरुआती संचालन के लिए अस्थायी भवन एवं स्थायी भवन के वास्ते भूमि चिह्नित कर ली गई है, जिससे इन विद्यालयों का संचालन सुगमता से हो सकेगा। अब तक मधुबनी, शेखपुरा, कैमूर, पूर्वी चंपारण और अरवल जिलों में केंद्रीय विद्यालय स्वीकृत नहीं थे। नए अनुमोदनों के बाद इन जिलों में भी केंद्रीय विद्यालय खुल जाएंगे।

अधिकतर समस्याओं की जड़ आरएसएस : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सराहना किए जाने के बाद दावा किया कि देश की अधिकतर समस्याओं की जड़ आरएसएस है तथा यह भारत का दुर्भाग्य है कि इस संगठन के कार्यकर्ता सरकार चला रहे हैं। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि बीते 100 साल में आरएसएस ने एक भी काम ऐसा नहीं किया है, जिससे देश को नुकसान के अलावा कोई फायदा हुआ हो। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने महात्मा गांधी की हत्या के कुछ महीने बाद 18 जुलाई, 1948 को तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी को लिखे उस पत्र का हवाला दिया, जिसमें कहा था ''आरएसएस की गतिविधियां सरकार एवं राष्ट्र के लिए खतरा हैं। दरअसल, आरएसएस ने कई मौकों पर स्पष्ट किया कि महात्मा गांधी की हत्या से उसका कोई संबंध नहीं था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज के विभिन्न वर्गों के साथ मिलकर काम करता है, लेकिन इसकी विभिन्न शाखाओं के बीच कभी अंतर्विरोध नहीं होता क्योंकि ये सभी 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत पर काम करते हैं।

एक घायल शेर बड़ी छलांग लगाने के लिए एक कदम पीछे लेता है : अमनजोत

गुवाहाटी/भाषा। चोटों, असफलताओं और महीनों के पुनर्वास ने ऑलराउंडर अमनजोत कौर की भूख को और बढ़ा दिया है और 25 वर्षीय इस खिलाड़ी का मानना है कि जिस तरह एक घायल शेर फिर से हमला करने से पहले पीछे हट जाता है, चोट के कारण उनका लंबा ब्रेक एक बड़ी छलांग से पहले का एक विराम मात्र था। श्रीलंका के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के पहले मैच में अमनजोत और दीप्ति शर्मा ने अच्छी साझेदारी करके भारत को संकट से निकालकर 59 रन से जीत दिलाई। अमनजोत ने कहा, जैसे कहते हैं कि घायल शेर एक कदम पीछे लेता है लंबी छलांग मारने के लिए। ऐसा लगता है कि आप लोग मुझे मेरी पंक्तियों के लिए मशहूर कर दोगे। दो साल पहले टीम में पदार्पण करने वाली अमनजोत तेज गेंदबाजी के साथ निचले क्रम पर आक्रामक बल्लेबाजी भी कर लेती हैं। स्ट्रेस फ्रेक्चर और मांसपेशी में चोट के कारण वह आठ महीने से टीम से बाहर थीं और टी20 विश्व कप नहीं खेल पाई थी। उन्होंने महिला वनडे चैलेंजरद के जरिये वापसी की और डब्ल्यूपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए प्रभावी प्रदर्शन किया। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला में ऐतिहासिक जीत में 63 रन बनाये।

ओलंपिक 2036 की मेजबानी के लिए भारत सही दिशा में: आईओसी एफएचसी सदस्य पार्सन्स

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भावी मेजबान आयोग के सदस्य एंड्रयू पार्सन्स का मानना है कि आर्थिक और खेलों के क्षेत्र में विकास की बदौलत 2036 ओलंपिक की मेजबानी का इच्छुक भारत सही दिशा में आगे बढ रहा है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईपीसी) के अध्यक्ष पार्सन्स ने कहा कि भारत ने ओलंपिक 2036 की मेजबानी के लिए अच्छी शुरुआत की है। ओलंपिक 2032 तक ओलंपिक मेजबान देश में ही पैरालम्पिक का भी आयोजन होगा।

पार्सन्स ने यहां प्रेस कांफ्रेंस में कहा, आईपीसी का अध्यक्ष और आईओसी भावी मेजबान आयोग का सदस्य होने के नाते मैं संभावना के बारे में नहीं कह सकता। लेकिन मैं यह कह सकता हूं कि एक देश के रूप में भारत सही दिशा में आगे बढ रहा है।

तीसरी और आखिरी बार आईपीसी के अध्यक्ष चुने गए ब्राजील के पार्सन्स ने कहा, आर्थिक रूप से विकास और खेलों के क्षेत्र में प्रगति के आधार पर मैं ऐसा कह सकता हूं।

महिलाओं के प्रति अपराध में न्यूनतम, सजा दिलाने में नम्बर वन है उत्तर प्रदेश : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को समस्त प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्र की महानवमी एवं बृहस्पतिवार को मनाये जाने वाले विजयदशमी पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि नारी शक्ति के बगैर संसार की कल्पना ही नहीं की जा सकती।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप आबादी के दृष्टिकोण से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में

महिलाओं के प्रति अपराध न्यूनतम है तथा दोषसिद्धि एवं सजा में भी यह राज्य अग्रणी है। एक बयान के अनुसार योगी आदित्यनाथ बतौर गोरक्षपीठाधीश्वर बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र की महानवमी तिथि में कन्या पूजन के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सनातन धर्मावलंबी वर्ष में दो बार शारदीय और वासंतिक नवरात्र में जगतजननी मां भगवती दुर्गा के नौ स्वरूपों का पूजन करते हैं तथा मातृ शक्ति एवं नारी शक्ति के प्रति आस्था का यह पर्व उन्हें नई प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आज शारदीय नवरात्र की नवमी तिथि पर मां सिद्धिदात्री के स्वरूप के पूजन के साथ कन्या पूजन का अनुष्ठान हो रहा है तथा उनका सौभाग्य है कि गोरक्षपीठ की पवित्र परंपरा के अनुसार उन्हें भी कन्या पूजन का अनुष्ठान करने का अवसर प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन आस्था में नारी शक्ति को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है तथा उनकी सरकार नारी शक्ति की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए समर्पित है।

भाजपाइयों की काली कमाई का 'स्वर्णीकरण' करने की वजह से बढ़ रहे सोने के दाम : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि सोने की कीमत में बढ़ोतरी जनता की मांग की वजह से नहीं बल्कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं की काली कमाई का स्वर्णीकरण करने की वजह से हो रही है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में यह भी आरोप लगाया, भाजपाइयों के बीच मची बहुमूल्य धातुओं की जमाख़ोरी की वजह से अब तो चांदी भी ग़रीब की पहुंच से बाहर हो गई है। उन्होंने कहा कि इस वजह से हालात ऐसे हो गए हैं कि गरीब आदमी शादी-ब्याह में आशीर्वाद स्वरूप अपनों को सोने की एक लौंग तक नहीं दे सकता है। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सोने के दाम सारे रिकॉर्ड तोड़कर एक लाख 20 हज़ार प्रति तोला तक पहुंच रहे हैं। इसी पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा राज में सोने के दामों का बेतहाशा बढ़ने का कारण आम जनता के बीच सोने की मांग बढ़ना नहीं है बल्कि इसका कारण महाभ्रष्ट भाजपाइयों की तरल काली कमाई को ठोस में बदलनेवाला 'स्वर्णीकरण' है। यादव ने कहा, अब भाजपाई प्रचारतंत्र ये कहेगा कि भाजपा सरकार क्या करे, सोने के दाम तो अंतरराष्ट्रीय बाज़ार से तय होते हैं। अगर ये सच है तो सरकार इस बात का ख़ुलासा करे कि दाम बढ़ने के बावजूद भी अर्थव्यवस्था के किस नियम और सिद्धांत के तहत विलासी-धातुओं के दाम बढ़ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या सोने की जमाख़ोरों के लिए भाजपा सरकार में किसी के पास कोई ड्रोन, दूरबीन या बुलडोज़र नहीं है।

बिहार में मतदाता सूची के आंकड़ों से कई नए सवाल खड़े हुए : दीपांकर भट्टाचार्य

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने बुधवार को आरोप लगाया कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद जारी अंतिम मतदाता सूची के आंकड़ों से बहुत सारे नए सवाल खड़े हो रहे हैं तथा यह स्पष्ट नहीं है कि पहले की अशुद्धियों को ठीक किया गया या नहीं। उन्होंने कहा कि यदि इस सूची से बांग्लादेश, म्यांमार और नेपाल के नागरिकों अथवा 'घुसपैठियों' के नहीं होने की बात स्पष्ट हो गई है तो झूठे प्रचार पर रोक लगनी चाहिए क्योंकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा बिहार के लोगों को बांटने के लिए यह विमर्श गढ़ने का प्रयास किया गया। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को बिहार की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी जिसमें कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ है। राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण से पहले मतदाताओं की कुल संख्या 7.89 करोड़ थी।

मतदाता सूची में विदेशियों को लेकर प्रधानमंत्री व निर्वाचन आयोग ने देश को गुमराह किया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को घुसपैठियों की पहचान का उपाय बताकर देश को गुमराह किया, जबकि अंतिम मतदाता सूची में एक भी विदेशी नागरिक नहीं पाया गया।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे ने पटना में जारी बयान में कहा कि मंगलवार को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में कुल 7.42 करोड़ मतदाता दर्ज किए गए हैं, जो इस वर्ष 24 जून को दर्ज 7.89 करोड़ मतदाताओं की तुलना में करीब छह प्रतिशत कम हैं। उन्होंने कहा कि आयोग और बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची से हटाए गए नामों के कारणों में मृत्यु, स्थायी पलायन और दोहराव का उल्लेख किया, लेकिन ''यह नहीं बताया कि कितने विदेशी नागरिक हटाए गए। दुबे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और आयोग ने बार-बार कहा था कि यह प्रक्रिया घुसपैठियों की पहचान से जुड़ी है, लेकिन अंतिम सूची से स्पष्ट हो गया कि एक भी विदेशी नहीं मिला। ऐसे में सवाल उठता है कि इस एसआईआर को नागरिकता सत्यापन अभियान के रूप में क्यों पेश किया गया?'' उन्होंने कहा कि आयोग ने उच्चतम न्यायालय में यह तर्क दिया था कि उसे मतदाता से नागरिकता का सबूत मांगने का अधिकार है और नागरिकता अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के तहत कड़े दस्तावेजी नियम भी लागू किए गए थे, लेकिन नतीजा यह रहा कि विदेशियों की संख्या शून्य है। कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि इस पुनरीक्षण के दौरान 68.6 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए, जिनमें 65 लाख नाम 1 अगस्त को प्रकाशित प्रारूप सूची में और 3.66 लाख नाम दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया के बाद हटाए गए।

जुबिन गर्ग का प्रबंधक, एनईआईएफ महोत्सव का आयोजक गैर इरादतन हत्या और अन्य आरोपों में गिरफ्तार

गुवाहाटी/भाषा। पिछले महीने सिंगापुर में गायक जुबिन गर्ग की मौत के सिलसिले में उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा और महोत्सव के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत को बुधवार सुबह दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। असम पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत गैर इरादतन हत्या, आपराधिक साजिश और लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तारी के तुरंत बाद दोनों को गुवाहाटी लाया गया और कामरूप मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जिसने उन्हें 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। दुर्गा पूजा के कारण अदालतें बंद होने की वजह से सुनवाई न्यायाधीश के आवास पर हुई।

विशेष पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि गायक की मौत की जांच 'कानून के अनुसार' की जाएगी। गर्ग की मौत की जांच के लिए गठित एसआईटी के प्रमुख गुप्ता ने कहा कि शर्मा और महंत दोनों को 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा, नोटिस के आधार पर आव्रजन अधिकारियों ने सिंगापुर से दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचते ही महंत को हिरासत में ले लिया और असम पुलिस को सौंप दिया।

बंगाल के दुर्गा पूजा पंडालों में महानवमी पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पूरे पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा अपने चरम पर है और ढाक (ढोल) की थाप, धूपबत्ती की सुगंध और कलात्मक पंडालों की चमक से वातावरण गूंजायमान है। दुर्गा पूजा का अंतिम दिन 'महानवमी' अपने पूरे वैभव के साथ मनाई जा रही है और लाखों श्रद्धालु सुबह से ही पंडालों की ओर उमड़ रहे हैं।

हालांकि, मौसम विभाग द्वारा शाम से हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी से अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है, परंतु इससे उत्सव के उत्साह पर कोई असर नहीं पड़ा है और कोलकाता तथा अन्य जिलों में पंडालों के बाहर लोगों की कतारें लगी हुई हैं। आईएमडी के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना निम्न दबाव का क्षेत्र तीव्र होकर अवदाब (डिप्रेशन) में बदल सकता है, जिससे नवमी की रात से हल्की बारिश और दशमी की दोपहर से मध्यम दर्जे की वर्षा हो सकती है। बंगाल में बुधवार सुबह से ही पंडाल आगंतुकों से भर गए, कुछ लोग देवी के सामने मौन प्रार्थना में हाथ जोड़ रहे थे, अन्य लोग मूर्तियों की शिल्पकला और जीवंत 'थीम' को निहार रहे थे। कई लोगों के लिए नवमी का त्योहार अनुष्ठानों के साथ-साथ पुरानी यादों और एकजुटता का भी प्रतीक है। सियालदह के 'संतोष मित्रा चौक' पर 'ऑपरेशन सिंदूर' की थीम पर आयोजित कार्यक्रम में पुलिस की पाबंदियों और दिन में प्रकाश एवं ध्वनि शो स्थगित होने के बावजूद भीड़ उमड़ पड़ी। समिति के सचिव सजल घोष ने कहा, सुबह से प्रतीक्षा समय दो घंटे से अधिक हो गया है। इसी तरह की भीड़ ताला पार्क, त्रिधारा, चेतला अग्रणी, एकदलीय एवरग्रीन, 95 पल्ली जोधपुर पार्क, काशी बोस लेन, बाघबाजार सर्बोजोनिन, मुदियाली, केंदुआ शांति संघ पतुली और श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब जैसे प्रतिष्ठित पूजा पंडालों में भी देखने को मिली।

गेंदबाजों व बल्लेबाजों की मददगार पिच पर खेलना चाहते हैं : गिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को कहा कि टीम घरेलू मैचों में 'टर्निंग पिच' को तरजीह देने की बजाय ऐसी पिच पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट शृंखला से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में गिल ने कहा कि टीम पहले मैच में तीसरे तेज गेंदबाज को मौका दे सकती है चूंकि पिच पर घास जमी है और मौसम भी उमस भरा है।

टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा, मेरे आने (बतौर कप्तान) से पहले क्या बात हुई थी, मैं उसके बारे में नहीं बोल सकता। लेकिन हम ऐसी पिच पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मददगार हो।

उन्होंने कहा, भारत आने वाली किसी भी टीम के लिए चुनौती स्पिन और रिवर्स स्विंग होती है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखकर हम ऐसी विकेटों पर खेलना चाहते हैं जो गेंदबाजों और बल्लेबाजों दोनों की मदद करे। उन्होंने कहा, आपको संयोजन के बारे में कल पता चल जायेगा। मौसम और हालात को देखते हुए तीसरे तेज गेंदबाज को उतार सकते हैं लेकिन फैसला कल लेंगे।

गिल ने कहा कि भारतीय टीम अपनी धरती पर दमदार क्रिकेट खेलना चाहेगी। उन्होंने कहा, हम दमदार क्रिकेट खेलना चाहेंगे। पिछले कुछ साल में भारत में टेस्ट मैच पांच दिन तक नहीं चले हैं लिहाजा हम काफी अच्छा और मजबूत खेल दिखाना चाहेंगे।

गिल ने स्वीकार किया कि उन्हें और कुछ खिलाड़ियों को रविवार को खत्म हुए एशिया कप में टी20 क्रिकेट खेलने के बाद इस प्रारूप में ढलने के लिए कम समय मिला है। उन्होंने कहा, हमें टेस्ट मैच की तैयारी के लिए दो ही दिन मिले। काफी जल्दी दूसरे प्रारूप में खेलना है लेकिन हमने नेट पर काफी मेहनत की है। बदले हुए प्रारूप में खेलने के लिए मानसिक तैयारी अधिक करनी होती है।

गिल और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दुबई से यहां टीम से जुड़े।

बुमराह के कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए क्या उन्हें उतारा जायेगा, यह पूछने पर गिल ने कहा, हम मैच दर मैच फैसला लेंगे। मैच कितना लंबा चलता है और एक गेंदबाज को कितने ओवर फेंकने पड़ते हैं। कुछ पहले से तय नहीं है।

गिल ने यह भी कहा कि रविंद्र जडेजा छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते रहेंगे। उन्होंने कहा, हमें पता है कि जड्डू भाई को भारत में खेलना कितना मुश्किल होता है। बल्लेबाजी में जिस तरह का फॉर्म उन्होंने दिखाया है, वह टेस्ट मैचों में हमारे छठे नंबर के बल्लेबाज बन गए हैं।

सुविचार

जिस दिन एक सिग्रेचर ऑटोग्राफ में बदल जाए तब मान लीजिएगा कि आप कामयाब हो गए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सौर क्रांति का नेतृत्व करे भारत

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अब तक 20 लाख घरों को सौर ऊर्जा से रोशन करने का आंकड़ा देश की एक बड़ी उपलब्धि है। इससे पता चलता है कि भारत न सिर्फ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि सौर क्रांति का नेतृत्व करने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस योजना के तहत वर्ष 2027 तक एक करोड़ घरों की छतों पर सौर प्रणाली स्थापित करने का लक्ष्य है, जो असंभव नहीं है। भारत जिस तरह तमाम बाधाओं को पार कर डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में नए कीर्तिमान रच रहा है, उसी तरह सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकता है। यह योजना कई मायनों में क्रांतिकारी है। यह पर्यावरण को फायदा पहुंचा रही है। साथ ही, आम नागरिकों के जीवन को आसान बना रही है। कुछ साल पहले तक ग्रामीण क्षेत्रों में लोग रात को चिमनी या लालटेन जलाने को विवश थे। उनके घरों तक बिजली पहुंचाना ही बड़ी बात थी। अब केंद्र सरकार एक कदम और आगे बढ़ाते हुए उन्हें सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जोड़ रही है। इससे लोगों का जीवन स्तर और बेहतर होगा। भारत भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत विविधतापूर्ण देश है। यहां ऊर्जा की मांग बढ़ती जा रही है। ऐसे में नवीकरणीय ऊर्जा वरदान साबित हो सकती है। कोयला और तेल जैसे पारंपरिक ऊर्जा स्रोत पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। इनसे लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ता है। पहले, गांवों में जो महिलाएं पारंपरिक ईंधन जलाकर काम करती थीं, उन्हें कम उम्र में ही आंखों और फेफड़ों से संबंधित बीमारियां होने लगती थीं। इस तरह महिलाओं के लिए यह योजना ज्यादा राहत लेकर आई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में कई लोग इस वजह से बिजली का कनेक्शन लेने से हिचकिचाते हैं, क्योंकि कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण हर महीने बिल नहीं चुका सकते। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना उनके लिए उम्मीद की किरण लेकर आई है। जो लोग इस योजना का लाभ ले रहे हैं, उनके बिजली बिलों में काफी कमी आई है। यह योजना विकास के आधार पर गांव और शहर के अंतर को दूर कर रही है। दोनों ही क्षेत्रों के लोग इससे लाभान्वित हो रहे हैं। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन हो रहा है। आने वाले वर्षों में स्थानीय स्तर पर रोजगार की नई संभावनाएं आकार लेंगी। सौर पैनलों की स्थापना, रखरखाव और तकनीकी मदद के लिए कुशल पेशेवरों की जरूरत होगी। इस योजना की राह में कुछ दिक्कतें भी हैं। कई परिवारों की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वे सौर पैनल लगवा सकें। वहीं, जागरूकता की कमी के कारण कई परिवार दायरे से दूर हैं। योजना से होने वाले फायदों के बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों तक जानकारी पहुंचानी चाहिए। प्रचार के लिए सोशल मीडिया प्रभावी माध्यम हो सकता है। इस पर योजना को लेकर लोगों के सुखद अनुभव साझा करने से अन्य परिवार भी जुड़ने के इच्छुक होंगे। 'पहले बिजली की क्या स्थिति थी, अब क्या स्थिति है, पहले कितना बिल आता था, अब कितना आता है, परिवार को क्या फायदा हुआ, जीवन स्तर में क्या बदलाव आया, भविष्य के बारे में क्या सोचते हैं' – जैसे सवालों के जवाब इस योजना के प्रसार में सहायक सिद्ध होंगे। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की रफ्तार तेज करनी होगी। भारत को सौर क्रांति के दौर में उस मुकाम को हासिल करना होगा, जहां हर देश इसके अनुभवों से लाभान्वित होना चाहे। समस्त देशवासियों की भागीदारी से ही कामयाबी की यह कहानी लिखी जाएगी।

ट्वीटर टॉक

राष्ट्र निर्माण का महान उद्देश्य... व्यक्ति निर्माण का स्पष्ट पथ... शाखा जैसी सरल, जीवंत कार्यपद्धति... यही संघ की सौ वर्षों की यात्रा का आधार बने। संघ ने कितने ही बलिदान दिये। लेकिन भाव एक ही रहा –राष्ट्र प्रथम... लक्ष्य एक ही रहा –'एक भारत, श्रेष्ठ भारत'।

–नरेन्द्र मोदी

समस्त देशवासियों को शारदीय नवरात्रि की महानवमी की हार्दिक शुभकामनाएं! आदिशक्ति माँ दुर्गा के नवम स्वरूप देवी सिद्धिदात्री से प्रार्थना है कि वे हम सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें। साथ ही, चराचर जगत का कल्याण हो।

–अर्जुनराम मेघवाल

लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष श्री जी.एम.सी. बालयोगी जी की जयंती पर संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में श्रद्धासुमन अर्पित किए। बालयोगी जी का अध्यक्षीय कार्यकाल संसदीय परिपाटियों को उन्नत बनाने के लिए जाना जाता है।

–ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

शास्त्री जी की ईमानदारी

स्वतंत्रता आंदोलन के समय लाला लाजपत राय ने सर्वेंट्स ऑफ पीपुल सोसायटी की स्थापना की थी। यह सोसायटी स्वतंत्रता सेनानियों को आर्थिक मदद प्रदान करती थी। शास्त्रीजी के परिवार को भी इस सोसायटी द्वारा हर माह पचास रुपये की आर्थिक मदद दी जाती थी। उस समय शास्त्रीजी के परिवार में पत्नी ललिता शास्त्री, दो बेटियां और बेटे हरि थे। ललिता शास्त्री एक कुशल गृहिणी थीं। वे उन रुपयों से परिवार का पालन-पोषण करने के बाद कुछ रुपये बचा भी लेती थीं। शास्त्रीजी उन दिनों जेल में बंद थे। पत्र-व्यवहार के माध्यम से ही उनका संपर्क होता था। एक दिन उन्होंने ललिताजी से पूछा, 'सोसायटी से मिलने वाले रुपयों में गुजारा हो जाता है।' ललिताजी बोलीं, 'हां, पचास रुपये में सभी आवश्यकताएं पूरी करने की कोशिश करती हूं बल्कि हर महीने दस रुपए की बचत भी कर लेती हूं।' शास्त्रीजी ने उसी क्षण सर्वेंट्स ऑफ पीपल सोसायटी को एक पत्र लिखा कि हमारे परिवार की आवश्यकताएं मात्र चालीस रुपये में पूरी हो जाती हैं। इसलिए मेरे परिवार को चालीस रुपए भेजे जाएं।' उनका यह पत्र पढ़कर सर्वेंट्स ऑफ पीपल सोसायटी के सभी सदस्य दंग रह गए।

सामयिक

गांधी विचार को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

ललित गर्ग

मो.: 9811051133

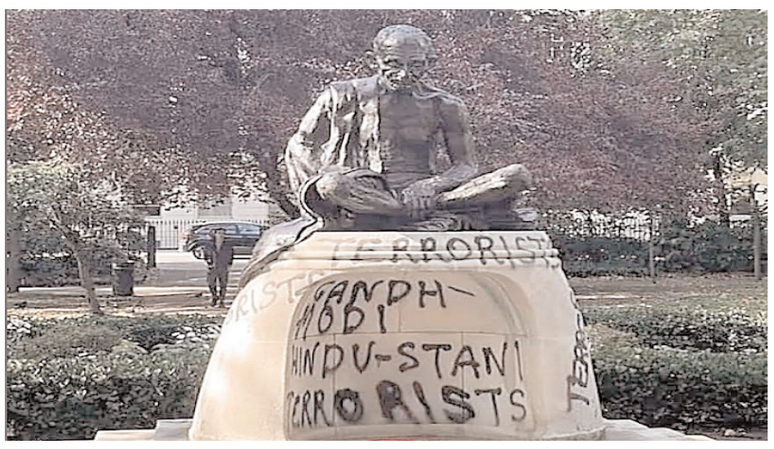

लंदन के प्रसिद्ध टैविस्टॉक स्क्वायर में महात्मा गांधी की 57 साल पुरानी कांस्य की प्रतिमा पर हुआ हमला केवल एक मूर्ति को क्षतिग्रस्त करने की घटना भर नहीं है, बल्कि यह गांधी के अस्तित्व, उनके विचार और भारत की आत्मा पर आघात है। गांधी प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ करते हुए काले रंग से लिखा है, 'गांधी-मोदी, हिंदुस्तानी टेररिस्ट...।' वहां एक तिरंगे का भी अपमान किया गया है और उसपर भी 'टेररिस्ट' लिखा हुआ है। जिस समय यह हमला हुआ, वह भी बेहद प्रतीकात्मक है, अंतरराष्ट्रीय गांधी जयंती यानी अहिंसा दिवस से महज तीन दिन पहले। यह समय का ऐसा चयन है जो यह दर्शाता है कि अहिंसा के विचार और गांधी के व्यक्तित्व को मिटाने की एक सुनियोजित विकृत मानसिकता एवं साजिश है। गांधी की प्रतिमा महज धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उन मूल्यों का जीवंत प्रतीक है जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को नई दृष्टि दी, नई दिशा दी एवं शांतिपूर्ण अहिंसक जीवनशैली दी है। इस पर आघात करना इस बात का प्रमाण है कि हिंसा की प्रवृत्तियां, आतंक की मानसिकता एवं नफरत-द्वेष की विध्वंक शक्तियां अब भी गांधी के विचारों से डरती हैं और उसे क्षत-विक्षत एवं ध्वस्त करने के षडयंत्र रचती रहती है, पर महात्मा गांधी भारत के अकेले ऐसे महापुरुष हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। गांधी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा था, वसुधैव कुटुम्बकम था। जनता को भयमुक्त व वास्तविक आजादी दिलाना उनका लक्ष्य था। वे सम्पूर्ण मानवता की अमर धरोहर हैं। उन्होंने दुनिया को अहिंसा का सूत्र देकर शांतिपूर्ण विश्व-संरचना की। दलितों के उद्धार और उनकी प्रतिष्ठा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनके जीवन की विशेषता कथनी और करनी में अंतर नहीं होना था।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर अज्ञात लोगों ने जो हमला किया और आपत्तिजनक नारे लिखे। भारतीय उच्चायोग ने इसे अहिंसा की विरासत पर हमला बताया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस जांच में जुटी है। ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने घटना को दुखद बताते हुए कहा कि गांधी की शिक्षाएं हमें सदा एकजुट करती रहेंगी। गांधी के व्यक्तित्व एवं विचारों को आहत करने की यह घटना केवल ब्रिटेन के अस्तित्व एवं अस्मिता तक सीमित नहीं रहती, बल्कि भारत की गरिमा और उसकी सांस्कृतिक उपस्थिति को भी चुनौती देती है। जब किसी राष्ट्र के सार्वभौमिक प्रतीक पर हमला होता है, तो वह उस राष्ट्र के स्वाभिमान और उसके विचारों पर हमला माना जाता है। गांधी केवल भारत के नायक नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के नैतिक मार्गदर्शक हैं। उनका स्मारक क्षतिग्रस्त करना मानवता की उस चेतना को धूमिल करने का प्रयास है जो संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और शांति पर आधारित है। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, आतंक और कट्टरता से त्रस्त है, गांधी का विचार और भी प्रासंगिक हो जाता है। ऐसे विचार को कुचलने की चेष्टा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर चुनौती है। समीक्षात्मक दृष्टि से देखा जाए तो यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर क्यों अहिंसा जैसे सार्वभौमिक मूल्य आज के दौर में असहनीय प्रतीत होते हैं? क्यों कुछ समूह इतिहास को मिटाने और संवाद की जगह हिंसा को स्थापित करने पर आमादा हैं? यह केवल अतीत की स्मृति पर हमला नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा पर भी सवाल खड़ा करता है। मूर्तियां टूटीं तो उन्हें ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि विचारों को खंडित करने का यह सिलसिला जारी रहा तो यह मानवता की आत्मा के लिए घातक सिद्ध होगा।

समय-समय पर शरारती एवं असामाजिक तत्व देश एवं दुनिया में भारत की महान विभूतियों- गांधी-मोदी के दर्शन व उनकी कार्य-पद्धतियों पर कीचड़ उछालते रहे हैं और उन्हें गालियां देकर गौरवान्वित होते रहे हैं। ताजा गांधी प्रतिमा को तोड़ने की घटना किसी साधारण शरारत या स्थानीय असंतोष का परिणाम नहीं है, बल्कि यह उस गहरी हिंसक, आतंकी और विकृत मानसिकता का प्रतीक है, जो दुनिया में अहिंसा की आवाज़ को दबाना चाहती है। यह घटना केवल एक प्रतिमा को खंडित करने की नहीं, बल्कि महात्मा गांधी के विचारों पर आहत करने की साजिश है। गांधी महज एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक दर्शन हैं। उनके सत्य और अहिंसा के सिद्धांत विश्व राजनीति, समाज और मानवता के लिए अब भी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। इसीलिए हिंसक मानसिकताएं बार-बार इन मूल्यों को मूक बनाने या कुचलने का प्रयास करती हैं। गांधी प्रतिमा पर हमला वस्तुतः उसी मानसिकता की पुनरावृत्ति है, जिसने उनकी हत्या की थी। आज यह मानसिकता कभी धार्मिक उग्रवाद, कभी नस्लीय भेदभाव, कभी आतंकवाद और कभी आर्थिक साम्राज्यवाद का रूप धारण करके सामने आती है। यह घटना भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है कि यदि अहिंसा और सहअस्तित्व की आवाज़ को चुप करा दिया गया, तो मानव सभ्यता हिंसा, आतंक और विनाश के अंधकार में जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते वर्षों में जिस तरह शांति, वैश्विक सहयोग और अहिंसक संवाद की परंपरा को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करने का प्रयास किया है, वह गांधी दर्शन की ही आधुनिक अभिव्यक्ति है। अंतरराष्ट्रीय संघर्षों, जलवायु संकटों, आतंकवादी क्रुरताओं और युद्ध की विभीषिकाओं से जूझती दुनिया में भारत की यह भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में गांधी प्रतिमा पर हमला, दरअसल इस शांति अभियान को ठेस पहुँचाने का संगठित प्रयास है। यह केवल भारत को नहीं, बल्कि उन सभी देशों और समुदायों को चुनौती है, जो अहिंसा को सभ्यता का मूल मंत्र मानते हैं। आज यह जरूरी है कि हम इस हिंसक और आतंकवादी मानसिकता को करारा जवाब दें। यह जवाब केवल प्रतिवाद या आक्रोश से नहीं, बल्कि गांधी के विचारों को और अधिक दृढ़ता से जीकर और फैलाकर देना होगा। जब-जब गांधी प्रतिमा पर चोट की गई है, तब-तब गांधी और बड़े होकर खड़े हुए हैं। कभी-कभी प्रशंसा नहीं ऐसी गालियां गांधी को ज्यादा पूजनीय बनाती रही हैं। जिस प्रकार गांधी ने कहा था-आप मुझे मार सकते हैं, मेरे शरीर को नष्ट कर सकते हैं, पर मेरे विचारों को समाप्त नहीं कर सकते-यह सत्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दरअसल, अहिंसा को कुचलने की हर कोशिश अहिंसा को और अधिक शक्तिशाली बना देती है। यह हमला गांधी की अमरता का प्रमाण है। हमें इस अवसर को केवल निंदा तक सीमित न रखकर, गांधी के सत्य, प्रेम और सहिष्णुता के संदेश को और व्यापक स्तर पर प्रसारित करना चाहिए। तभी आतंकवादी मानसिकता को वास्तविक और स्थायी जवाब मिलेगा।

गांधी को कितने सालों से कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। जीते जी और मरने के बाद गांधी ने कम गालियां नहीं खाईं। गोडसे ने गोली से उनके शरीर को मारा पर आज तो उनके विचारों को बार-बार मारा जा रहा है। महात्मा के शिष्यों ने, बापू के बेटों ने, संत के अनुयायियों ने और गांधी की पार्टी वालों ने उनको बार-बार बेचा है, उनसे कमाया है, उनके नाम से वोट मांगे हैं, सत्ता प्राप्त की है, सुबह-शाम धोखा दिया है और उनकी चादर से अपने दाग छिपाये हैं। लेकिन बहुत हो गया, अब यह आवश्यक है कि इस घटना का विरोध केवल भावनात्मक या औपचारिक स्तर पर न होकर ठोस, नैतिक और प्रभावी स्वरूप में हो। आज गांधी को खोजने की जरूरत मूर्तियों में नहीं, बल्कि अपने जीवन और आचरण में है। यही इस घटना से निकला सबसे बड़ा संदेश है कि अहिंसा की रक्षा केवल स्मारकों से नहीं बल्कि व्यवहार से होगी। गांधी की प्रतिमा का क्षरण क्षणिक है, किंतु उनके विचारों की हत्या यदि हम होने देंगे तो यह सम्पूर्ण मानवता की हार होगी। लंदन में गांधीजी की इस प्रतिमा का अनावरण 1968 में इंडिया लीग के सहयोग से हुआ था। यूके में गांधी जयंती के मौके पर यह जगह लंबे समय से मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा है। हर साल 2 अक्टूबर को यहां फूलों से श्रद्धांजलि दी जाती है और गांधीजी के प्रिय भजन बजते हैं। इस दिन को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने मान्यता दे रखी है। इसके चबूतरे पर लिखा है- 'महात्मा गांधी, 1869-1948'। उनका लंदन से ऐतिहासिक संबंध रहा है,जहां उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में कानून की पढ़ाई की थी।

गांधी को कितने सालों से कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। जीते जी और मरने के बाद गांधी ने कम गालियां नहीं खाईं। गोडसे ने गोली से उनके शरीर को मारा पर आज तो उनके विचारों को बार-बार मारा जा रहा है। महात्मा के शिष्यों ने, बापू के बेटों ने, संत के अनुयायियों ने और गांधी की पार्टी वालों ने उनको बार-बार बेचा है, उनसे कमाया है, उनके नाम से वोट मांगे हैं, सत्ता प्राप्त की है, सुबह-शाम धोखा दिया है और उनकी चादर से अपने दाग छिपाये हैं।

नजरिया

सत्य की जीत का सन्देश देता है दशहरा

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

भारत एक विविधताओं से भरा देश है जहाँ अनेक धर्मों और संस्कृतियों के लोग साथ रहते हैं। यहां साल भर अनेक त्योंहार मनाए जाते हैं जो न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक भी होते हैं। इन्हीं प्रमुख त्योहारों में से एक है दशहरा जिसे विजयादशमी के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक है और इसका भारतीय संस्कृति में एक विशेष स्थान है। दशहरा का पर्व भगवान राम की रावण पर विजय के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इसे विजयादशमी कहा जाता है, जिसका अर्थ है विजय प्राप्त करने वाला दसवाँ दिन। रामायण के अनुसार भगवान राम ने रावण का वध कर अपनी पत्नी सीता को उसके बंदीगृह से मुक्त कराया था। यह पर्व यह संदेश देता है कि चाहे बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो अंत में जीत सत्य और धर्म की ही होती है। यह त्योहार लोगों को नैतिक मूल्यों, सत्य, और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

दशहरा शब्द हिंदी के दो शब्दों दस और हारा से मिलकर बना है। जहां दस गणित के अंक दस (10) और हारा शब्द पराजित का सूचक है। इसलिए यदि इन दो शब्दों को जोड़ दिया जाए तो दशहरा बनता है। जो उस दिन का प्रतीक है जब दस सिर वाले दुष्ट रावण का भगवान राम ने वध किया था। दशहरा अथवा विजयदशमी पर्व को भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में। दोनों ही रूपों में यह शक्ति-पूजा का पर्व है। शस्त्र पूजन की तिथि है। हर्ष और उल्लास तथा विजय का पर्व है। दशहरा भारत के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। इसी दिन भगवान राम ने बुराई के प्रतीक दस सिर वाले रावण का संहार किया था तो देवताओं को हराकर स्वर्ग पर अधिकार करने वाले महिषासुर का 10 दिन तक चले भयंकर युद्ध के बाद मां दुर्गा ने वध किया था। इसीलिये इसको विजयादशमी के नाम से जाना जाता है। अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इसका आयोजन होता है। इसे असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन लोग नया कार्य प्रारम्भ करते हैं। इस दिन शस्त्र-पूजा की जाती है। इस दिन जगह-जगह मेले लगते हैं। रामलीला का समापन होता है। रावण का विशाल पुतला बनाकर उसे जलाया जाता है।

भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक व शौर्य की उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में फसल उगाकर अनाज घर लाता है तो उसके उल्लास और उमंग का पारावार नहीं रहता। इस प्रसन्नता के लिये वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए उनका पूजन करता है। भारतवर्ष में यह पर्व विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है। बंगाल, ओडिशा और असम में यह पर्व दुर्गा पूजा के रूप में ही मनाया जाता है। यह बंगालियों, ओडिया, और आसमिया लोगों का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। बंगाल में दशहरा पूरे पांच दिनों के लिए मनाया जाता है। ओडिशा और असम मे चार दिन तक त्योहार चलता है। यहां देवी दुर्गा को भव्य सुशोभित पंडालों में विराजमान करते हैं। देश के नामी कलाकारों को बुलवा कर दुर्गा की मूर्ति तैयार करवाई जाती हैं। यहां दशमी के दिन विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है और प्रसाद वितरण किया जाता है। पुरुष आपस में आलिंगन करते हैं जिसे कोलाकुली कहते हैं। स्त्रियां देवी के माथे पर सिंदूर चढ़ाती हैं व देवी को अश्रुपूरित विदाई देती हैं। इसके साथ ही वे आपस में भी सिंदूर लगाती हैं व सिंदूर से खेलती हैं। इस दिन यहां नीलकंठ पक्षी को देखना बहुत ही शुभ माना जाता है। अन्त में देवी प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए ले जाया जाता है।

महाराष्ट्र में नवरात्रि के नौ दिन मां दुर्गा को समर्पित रहते हैं जबकि दसवें दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की वंदना की जाती है। इस दिन विद्यालय जाने वाले बच्चे अपनी पढ़ाई में आशीर्वाद पाने के लिए मां सरस्वती के तांत्रिक चिह्नों की पूजा करते हैं। किसी भी चीज को प्रारंभ करने के लिए खासकर विद्या आरंभ करने के लिए यह दिन काफी शुभ माना जाता है। महाराष्ट्र के लोग इस दिन विवाह, गृह-प्रवेश एवं नये घर खरीदने का शुभ मुहूर्त समझते हैं। महाराष्ट्र में इस अवसर पर सिलंगण के नाम से सामाजिक महोत्सव के रूप में भी इसको मनाया जाता है। कर्नाटक में मैसूर का दशहरा भी पूरे भारत में प्रसिद्ध है। मैसूर में दशहरे के समय पूरे शहर की गलियों को रोशनी से सज्जित किया जाता है और हाथियों का शृंगार कर पूरे शहर में एक भव्य जुलूस निकाला जाता है। इस समय प्रसिद्ध मैसूर महल को दीपमालिकाओं से दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इसके साथ शहर में लोग टार्च लाइट के संग नृत्य और संगीत की शोभायात्रा का आनंद लेते हैं। पंजाब में दशहरा नवरात्रि के नौ दिन का उपवास रखकर मनाते हैं।

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू का दशहरा बहुत प्रसिद्ध है। अन्य स्थानों की ही भांति यहां भी दस दिन अथवा एक सप्ताह पूर्व इस पर्व की तैयारी आरंभ हो जाती है। स्त्रियां और पुरुष सभी सुंदर वस्त्रों से सज्जित होकर ढोल, नगाड़े, बांसुरी आदि वाद्य यंत्रो को लेकर बाहर निकलते हैं। पहाड़ी लोग अपने ग्रामीण देवता का धूम धाम से जुलूस निकाल कर पूजन करते हैं। देवताओं की मूर्तियों को बहुत ही आकर्षक पालकी में सुंदर ढंग से सजाया जाता है। साथ ही वे अपने मुख्य देवता रघुनाथ जी की भी पूजा करते हैं। इस जुलूस में प्रशिक्षित नर्तक नटी नृत्य करते हैं। इस प्रकार जुलूस बनाकर नगर के मुख्य भागों से होते हुए नगर परिक्रमा करते हैं और कुल्लू नगर में देवता रघुनाथजी की वंदना से दशहरे के उत्सव का आरंभ करते हैं। दशमी के दिन इस उत्सव की शोभा निराली होती है। बस्तर में दशहरे के मुख्य कारण को राम की रावण पर विजय ना मानकरलोग इसे मां दंतेश्वरी की आराधना को समर्पित एक पर्व मानते हैं। दंतेश्वरी माता बस्तर अंचल के निवासियों की आराध्य देवी हैंजो दुर्गा का ही रूप हैं। यहां यह पर्व पूरे 75 दिन चलता है। यहाँ दशहरा श्रावण मास की अमावस से आश्विन मास की शुक्ल त्रयोदशी तक चलता है। बस्तर में यह समारोह लगभग 15वीं शताब्दी से शुरु हुआ था। इसका समापन अश्विन शुक्ल त्रयोदशी को ओहाड़ी पर्व से होता है।

गुजरात में मिट्टी सुशोभित रंगीन घड़ा देवी का प्रतीक माना जाता है और इसको कुंवारी लड़कियां सिर पर रखकर एक लोकप्रिय नृत्य करती हैं जिसे गरबा कहा जाता है। गरबा नृत्य इस पर्व की शान है। पुरुष एवं स्त्रियां दो छोटे रंगीन डंडों को संगीत की लय पर आपस में बजाते हुए घूम घूम कर नृत्य करते हैं। तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक में दशहरा नौ दिनों तक चलता है जिसमें तीन देवियां लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की पूजा करते हैं।

पहले तीन दिन धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन होता है। अगले तीन दिन कला और विद्या की देवी सरस्वती की अर्चना की जाती है और अंतिम दिन देवी शक्ति की देवी दुर्गा की स्तुति की जाती है। पूजन स्थल को अच्छी तरह फूलों और दीपकों से सजाया जाता है। लोग एक दूसरे को मिठाइयां व कपड़े देते हैं। कश्मीर के अल्पसंख्यक हिन्दू नवरात्रि के पर्व को श्रद्धा से मनाते हैं। परिवार के सारे वयस्क सदस्य नौ दिनों तक उपवास करते हैं। अत्यंत पुरानी परम्परा के अनुसार नौ दिनों तक लोग माता खीर भवानी के दर्शन करने के लिए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि आश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय विजय नामक मुहूर्त होता है। यह काल सर्वकार्य सिद्धिदायक होता है। इसलिए भी इसे विजयादशमी कहते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नेपाल के राष्ट्रपति पौडेल ने महानवमी पर 'कन्या पूजा' की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर 10 दिवसीय 'बड़ा दशईं' या 'विजयादशमी' त्योहार के नौवें दिन महा नवमी मनाई।नेपाल के राष्ट्राध्यक्ष ने इस अवसर पर देवी नवदुर्गा के अवतार के रूप में नौ कन्याओं की पूजा की तथा अपने आधिकारिक आवास शीतल निवास में एक विशेष समारोह में हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना की।

परंपरा के अनुसार, राष्ट्राध्यक्ष महा नवमी के दिन 'नवकन्या' अनुष्ठान करते हैं।

आश्विन शुक्ल प्रतिपदा या चंद्र कैलेंडर के अनुसार शुक्ल पक्ष की प्रथम तिथि से शुरू होकर 'बड़ा दशईं' अगली पूर्णिमा, कोजाग्रत पूर्णिमा तक चलता है। लोग कोजाग्रत पूर्णिमा तक भोज का आयोजन करके और माथे पर टीका लगाकर इस त्योहार को मनाते हैं।काठमांडू लगभग सुनसान है, क्योंकि राजधानी में रहने वाले आधे लोग त्योहार के लिए अपने पैतृक स्थानों पर लौट गए हैं।इस बीच, मंगलवार और बुधवार को विजयादशमी के 8वें और 9वें दिन काठमांडू और आसपास के दुर्गा मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई।

इस अवसर पर हजारों लोगों ने काठमांडू के विभिन्न मंदिरों में देवी दुर्गा की पूजा-अर्चना की।

'द हिमालयन'अखबार की खबर के मुताबिक देश भर में सुरक्षा बलों ने बुधवार को 'कोट पूजा' या शस्त्रागार पूजा की।

बुजुर्ग हैं समाज के स्तंभ, उन्हें भावनात्मक सहारा दें : स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. सुनीता शर्मा ने कहा कि जिस तरह एक वृक्ष मजबूत जड़ों से ताकत प्राप्त करता है, उसी तरह समाज तभी मजबूत होगा जब बुजुर्गों को सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा, बुजुर्गों को जो सबसे बड़ी ताकत मिल सकती है, वह है उनके परिवारों और समुदायों से मिलने वाला भावनात्मक समर्थन। सरकार के पास वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्यक्रम हैं, लेकिन हितधारकों को भी आगे आना चाहिए।

डॉ. शर्मा ने ये विचार यहां सीताराम भरतिया अस्पताल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान साझा किए। ज्ञान के मोती: वरिष्ठ नागरिकों की कहानियां जो हमें आकार देती हैं विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में 95 वर्षीया डॉ. स्नेह भार्गव (एम्स की पहली और एकमात्र महिला निदेशक), 93 वर्षीय स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. वी एल भार्गव और 82 वर्षीय हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमलता तिवारी को स्मार्ट सीनियर्स की उपाधि से सम्मानित किया गया। सभी ने अपने अनुभव और विचार साझा किए।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. निरुपम मदान ने बुजुर्गों के सामने आने वाली चुनौतियों, उनकी वर्तमान जरूरतों, समाज में उनके महत्व, बेहतर बुनियादी ढांचे की आवश्यकता, आवश्यक बदलाव और वित्तीय सुरक्षा के बारे में विस्तार से बात की।

डॉ. मदान ने कहा कि वर्तमान में भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के 14.9 करोड़ लोग हैं। 2050 तक इसके 34.7 करोड़ और 2100 तक 55 करोड़ हो जाने की संभावना है, जो कुल जनसंख्या का 36 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि तैयारी अभी से शुरू होनी चाहिए।

बुज़ुर्ग पहले से ही आबादी का 10 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा हैं, फिर भी उनके लिए अस्पतालों में केवल एक प्रतिशत बिस्तर ही आवंटित हैं। उन्होंने कहा, इस दिशा में संसाधनों का विस्तार करने की तत्काल आवश्यकता है।

सीताराम भरतिया विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि 60 वर्ष की आयु के बाद, कई बुज़ुर्गों को मांसपेशियों में दर्द, गिरने का ज़्यादा ख़तरा, कमज़ोरी, अवसाद, याददाश्त कमज़ोर होने और हड्डियों के कमज़ोर होने का ज़्यादा खतरा होता है।

युद्ध के दिन 18 दिन और 18 योद्धाओं की कहानी लेकर आ रहा नेटफ्लिक्स, रिलीज किया 'कुरुक्षेत्र' का ट्रेलर

नई दिल्ली/एजेन्सी

1 अक्टूबर को देशभर में विजयदशमी का त्योहार मनाया जाएगा, लेकिन विजयदशमी से एक दिन पहले ही नेटफ्लिक्स ने दर्शकों को बड़ा तोहफा दे दिया है। नेटफ्लिक्स ने अपनी मचअवेटेड एनिमेटेड माइथोलॉजी सीरीज 'कुरुक्षेत्र' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। सीरीज महाभारत युद्ध के 18 दिन और 18 योद्धाओं की महागाथा है। नेटफ्लिक्स ने एनिमेटेड माइथोलॉजी सीरीज 'कुरुक्षेत्र' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर में कुरुक्षेत्र में हुए युद्ध, कौरवों और पांडवों का चौसर युद्ध, गीता का उपदेश, द्रौपदी का न्याय और धर्म की जीत को समेटा गया है। ट्रेलर बहुत प्रॉमिसिंग है क्योंकि ट्रेलर की शुरुआत ही दमदार वीओ के साथ हुई, जो रोंगटे खड़े कर देने वाला है।

'कुरुक्षेत्र' के ट्रेलर को शेयर कर नेटफ्लिक्स ने लिखा, धर्म और अधर्म के इस महायुद्ध से इतिहास गवाह है, और अब आप भी...देखिये कुरुक्षेत्र, 10 अक्टूबर से, केवल नेटफ्लिक्स पर।

सीरीज को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। दर्शकों को सीरीज हिंदी, इंग्लिश, थाई, स्पेनिश, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में देखने को मिलेगी। सीरीज के 18 एपिसोड एक-एक करके रिलीज होंगे, और मेकर्स 10 अक्टूबर को सीरीज रिलीज करेंगे। इस प्रोजेक्ट को टिपिंग पॉइंट बैनर के तले बनाया गया है, जबकि फिल्म का निर्देशन और लेखन उजान गांगुली ने किया है। अनु सिक्का, आलोक जैन और अजित ने सीरीज का निर्माण किया है। खास बात ये है कि सीरीज में गीत गुलज़ार ने लिखे हैं।

बता दें कि ये पहली माइथोलॉजिकल एनिमेटेड सीरीज नहीं है, इससे पहले नेटफ्लिक्स भगवान नरसिम्हा अवतार की कहानी पर आधारित 'महावतार नरसिम्हा' फिल्म रिलीज कर चुका है। इस फिल्म को दर्शक ने इतना प्यार दिया कि फिल्म टॉप टेन फिल्मों में शामिल हो गई। इसके अलावा, नेटफ्लिक्स रणबीर कपूर, साईं पल्लवी और यश स्टारर फिल्म रामायण भी ला रहा है। अभी तक फिल्म के लुक ही सामने आए हैं, लेकिन कहा जा रहा है कि फिल्म दीपावली के मौके पर रिलीज होगी।

'महाकाली' में असुर गुरु शुक्राचार्य का किरदार निभाएंगे अक्षय खन्ना

मुंबई/एजेन्सी

आरकेडी स्टूडियोज़ और प्रशांत वर्मा की 'महाकाली' में रहस्यमयी आभा बिखेरते हुए अक्षय खन्ना सिनेमैटिक यूनिवर्स का अगला अध्याय साबित होने जा रहे हैं। अक्षय खन्ना इस मेगा फिल्म में शुक्राचार्य का किरदार निभा रहे हैं। लंबे चांदी जैसे दाढ़ी, साधु के वेशभूषा और चमकती हुई आँखों के साथ, वे पहली बार स्क्रीन पर एक संत के रूप में दिखाई देंगे। यह रूप एक ऐसे रहस्यमयी गुरु का प्रतीक है, जिसकी विद्या ने देवों और असुरों दोनों का भविष्य गढ़ा। सनातन विद्या के आचार्य, मृत्यु-संजीवनी मंत्र के संरक्षक, जीवन देने की शक्ति रखने वाले आध्यात्मिक गुरु और अपराजेय रणनीतिकार, जो ब्रह्मांडीय संतुलन को बदलने की शक्ति रखनेवाले शुक्राचार्य का यह चित्रण उनके द्वैत स्वरूप को जीवंत करता है। यह मनमोहक दृश्य हिंदू पौराणिक कथाओं के शुक्राचार्य की अमर गाथा को सजीव कर देता है। एक विशाल पर्वतीय किले के सामने, तूफ़ानी आकाश तले, प्राचीन वेदियों से उठती अग्नि के बीच, उनका रूप ध्यानमग्न शांति और अडिग शक्ति दोनों का संचार करता है।

पूजा कोल्लूरू के निर्देशन में 'महाकाली' न केवल प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स का अगला अध्याय है, बल्कि अक्षय खन्ना की तेलुगु सिनेमा में भव्य शुरुआत भी है। उनका प्रचंड और शक्तिशाली लुक इस प्रवेश को अद्वितीय और अविस्मरणीय बना रहा है। आरके दुग्गल और रिवाज़ रमेश दुग्गल द्वारा समर्थित, आरकेडी स्टूडियोज़ 'महाकाली' के लिए एक मंच तैयार कर रहा है। प्रशांत वर्मा की दृष्टि और पुपूजा कोल्लूरू के निर्देशन से सजी यह प्रस्तुति दर्शकों को एक ऐसे सिनेमाई चमत्कार का वादा करती है, जिसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था। आरकेडी स्टूडियोज़ और दूरदर्शी फिल्ममेकर प्रसांत वर्मा, जिन्होंने हनु-मान से सुपरहीरो शैली को नए आयाम दिए हैं, ने अक्षय खन्ना का अब तक का सबसे ताकतवर और अनदेखा अवतार पेश कर देशभर में तहलका मचा दिया है। दुर्गा पूजा पर जारी किया गया यह फर्स्ट लुक दर्शकों के लिए एक बड़ा सरप्राइज़ है और भारतीय सिनेमा के एक भव्य युग की शुरुआत का संकेत दे रहा है।

दशहरे पर अमिताभ बच्चन का खास संदेश, 'फिल्मों की तरह जिंदगी में भी अच्छाई की होती है जीत'

मुंबई/एजेन्सी

दशहरा, जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है, यह अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक भी है। रावण दहन की परंपरा और श्रीराम की विजय की गाथा हर साल हमें यही सिखाती है कि अंत में सत्य और धर्म की जीत होती है। इसी कड़ी में हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में कुछ ऐसी बातें लिखी जो न सिर्फ उनके जीवन के अनुभवों को दर्शाती हैं, बल्कि हमारे समाज और सिनेमा की सोच को भी गहराई से छूती हैं। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा कि भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उसमें हमेशा 'न्यायपूर्ण अंत' होता है। हमारी फिल्मों में तीन घंटे के भीतर कहानी का क्लाइमेक्स आता है और अच्छाई की जीत होती है। वे मानते हैं कि यही वजह है कि हमारे दर्शक इन फिल्मों से इतना जुड़ाव महसूस करते हैं। बच्चन का कहना है कि यही न्यायपूर्ण अंत असल जिंदगी में भी हर कोई चाहता है। बुराई चाहे कितनी भी ताकतवर क्यों न हो, अंत में जीत सच्चाई और अच्छाई की ही होती है। उन्होंने अपने ब्लॉग पर लिखा, आखिर में हमेशा... न्यायपूर्ण अंत होता है। यही हमारी सभी फिल्मों का सूत्र हैबुराई पर अच्छाई की जीत और तीन घंटे के भीतर हमें न्यायपूर्ण अंत देखने को मिलता है। यही हमारे सिनेमा की लोकप्रियता का कारण है और यही जीवन की लोकप्रियता हमेशा रहेगी। उन्होंने दशहरे के पर्व को लेकर भी खास विचार साझा किए। बच्चन ने लिखा, जैसे-जैसे दशहरा पास आता है, जिंदगी का एक भावनात्मक क्लाइमेक्स भी हमारे सामने आता। यह पर्व हमें यह याद दिलाता है कि बुरे समय या गलत रास्ते पर चाहे कितना भी चला जाए, आखिर में धर्म और सद्गुण ही टिकते हैं। सिनेमा की तरह जिंदगी में भी संघर्ष होता है, लेकिन यदि विश्वास और धैर्य बना रहे तो अंत सुखद हो सकता है।'' बिग बी ने अपने ब्लॉग में आगे लिखा, ''जब हम उन चीजों को स्वीकार कर लेते हैं जिन्हें हम बदल नहीं सकते, तो हमारे मन को शांति मिलती है। इससे न केवल सहनशीलता बढ़ती है, बल्कि हमारे अंदर की शक्ति और समझ भी गहरी होती है। स्वीकार करने से हम खुद से और समाज से बेहतर रिश्ता बना पाते हैं।''

फिल्म 'आगरा' नवंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होगी

मुंबई/भाषा

फिल्म निर्देशक कानु बहल की समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फीचर फिल्म 'आगरा' देश भर के सिनेमाघरों में 14 नवंबर को रिलीज होगी। निर्माताओं ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। इस फिल्म की पटकथा बहल ओर अतिका चौहान ने तैयार की है। फिल्म की कहानी एक परिवार के भीतर यौन जटिलताओं से संबंधित है। फिल्म का वैश्विक स्तर पर पहली बार प्रदर्शन वर्ष 2023 के कान फिल्म फेस्टिवल के स्वतंत्र खंड 'डायरेक्टर्स फोर्टनाइट' में किया गया और इसने 'जियो मामी मुंबई फिल्म फेस्टिवल' में विशेष जूरी पुरस्कार, 'इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न' में बेस्ट इंडी फिल्म एवं सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और 2024 में 'न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल' में सर्वश्रेष्ठ फिल्म एवं सर्वश्रेष्ठ अभिनेता समेत कई पुरस्कार जीते हैं।

यह फिल्म भारत और फ्रांस की कंपनियों की साझेदारी से बनी है जिसमें सारेगामा इंडिया लिमिटेड, यूएफओ प्रोडक्शन और ओ28 फिल्म्स ने सहयोग किया है। 'आगरा' निर्देशक बहल की 'तितली' (2015) के बाद दूसरी फीचर फिल्म है।

इस फिल्म के साथ वापसी कर रहे कलाकारों में राहुल रॉय के साथ 'लायन' फेम प्रियंका बोस, अपनी पहली फिल्म कर रहीं मोहित अग्रवाल, दक्षिण अभिनेता रूहानी शर्मा और अनुभवी कलाकार विभा छिब्बर, सोनल झा और आंचल गोस्वामी शामिल हैं। बहल ने एक बयान में कहा कि शायद फिल्म 'आगरा' का निर्माण उनके जीवन की अब तक की सबसे कठिन यात्रा रही है। सारेगामा इंडिया लिमिटेड के फिल्म्स एवं इवेंट्स के कार्यकारी उपाध्यक्ष सिद्धार्थ आनंद कुमार ने कहा कि कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारतीय दर्शकों को ऐसी फिल्में देखने को मिलें।

मानुषी छिल्लर का तनाव दूर करने का राज; वर्कआउट, अच्छी नींद और माँ की झप्पी!

मुंबई/एजेन्सी

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने हाल ही में एक शूटिंग के दौरान सोशल मीडिया पर एक मज़ेदार 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन किया। और यकीन मानिए, उनके जवाब और प्रशंसकों के सवाल, फ़्लर्टिंग मैसेज से लेकर ब्यूटी क्रीन द्वारा ज़िंदगी के ज़रूरी टिप्स तक, हर चीज़ के बारे में खुलकर बात की। मानुषी ने असफलता को लेकर एक ताज़गी भरा नजरिया साझा किया और बताया कि असफलता एक शिक्षक है, न कि हार। उनका संदेश साफ़ था: असफलता एक जरूरी अनुभव है। मुझे नहीं लगता कि इसे असफलता के रूप में देखना चाहिए, यह सीखने का अनुभव है। और यह सुनने में भले ही घिसा-पिटा लगे, लेकिन यह सच है। उनकी मिस वर्ल्ड यात्रा से जुड़ा एक और क्लिशे उन्होंने अपनाया है, सबसे अच्छी बात जो मैंने सीखी है, वह यह है कि मंज़िल की नहीं, बल्कि सफर की अहमियत होती है।

हाल ही में स्वास्थ्य क्षेत्र में अपने पिता के साथ कदम रखने वाली इस अभिनेत्री से उनकी फिटनेस और सेहत के बारे में भी सवाल किए गए। कोविड के बाद के अपने संघर्षों को याद करते हुए उन्होंने कहा, मुझे काफी मांसपेशियों की कमजोरी हुई थी, जिसकी वजह से मेरा वजन भी काफी घट गया। तो मेरे पिता, जो डॉक्टर हैं, उन्होंने मेरी लाइफस्टाइल में कई बदलाव करने में मेरी मदद की ताकि मैं फिर से स्वस्थ हो सकूं।

जब उनसे पूछा गया कि वह तनाव से कैसे निपटती हैं, तो उनका जवाब सरल लेकिन प्रभावशाली था, अच्छी वर्कआउट, अच्छी नींद और माँ की एक झप्पी - इन तीनों से बढ़कर कुछ नहीं। आलस्य या टालमटोल की समस्या पर बात करते हुए मानुषी ने कहा कि उनके लिए दिन की शुरुआत सही तरीके से करना ही प्रेरणा का मुख्य स्रोत है। मेरे लिए सूर्योदय से पहले उठना, रोज़ एक्सरसाइज़ करना, और रोज़ मेडिटेशन करना बहुत जरूरी है। अगर मैं ये तीन चीज़ें कर पाती हूँ, तो मैं अपने दिन की शुरुआत करने के लिए बेहद प्रेरित रहती हूँ।

अगर उन्हें कोई सुपरपावर मिलती तो? मैं 'अपारिशन' (अदृश्य होकर कहीं भी पहुंचने की शक्ति) चाहती हूँ, क्योंकि मैं लंबी उड़ानों में बैठना बिल्कुल पसंद नहीं करती। इसलिए टेलीपोर्टिंग जैसी ताकत होनी चाहिए। भला, ऐसा कौन नहीं चाहेगा? आखिर में, जब एक प्रशंसक ने मालिक के सह-कलाकार राजकुमार राव के साथ उनकी केमिस्ट्री की तारीफ़ की, तो मानुषी के पास बस गर्मजोशी और प्रशंसा ही थी। उन्होंने कहा, राज मेरे पसंदीदा सह-अभिनेताओं में से एक हैं और उनके साथ काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा। उन्होंने अपने ब्यूटी प्रतियोगिता के सफ़र से लेकर अपने निजी जीवन के विचारधाराओं तक, हर चीज़ के बारे में खुलकर बात की। यह सेशन हास्य, सरलता और बुद्धिमत्ता का एक सुंदर मिश्रण था, जिसने उनके जीवन की एक गहरी झलक दी। यहाँ सेशन के कुछ सबसे दिलचस्प पहलू प्रस्तुत हैं।

'धना पिशाची' के साथ सोनाक्षी सिन्हा ने डिवाइन फेमिनिन एनर्जी को दर्शाया है

मुंबई/एजेन्सी

सोनाक्षी सिन्हा ने ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जटाधारा' के पहले गाने धना पिसाची में अपना जलवा बिखेर दिया है, जिसे दुर्गा पूजा के शुभ अवसर पर रिलीज़ किया गया। सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के अभिनय से सजे इस गाने को देखकर दर्शकों की उम्मीदें फिल्म से और ज़्यादा बढ़ गई हैं। मधुबंती बागची की आवाज़ में सजे और समीरा कोप्पिकर द्वारा संगीतबद्ध इस गीत के बारे में संगीतकार समीरा कोप्पिकर का कहना है, ''इस गाने का अनुभव बेहद अनोखा और सुखद रहा।

'धना पिशाची' के लिए यह एक तरह का तांडव सॉन्ग है जो 'डिवाइन फेमिनिन एनर्जी' को दर्शाता है। हालांकि ये चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद बेहद संतोषजनक था, क्योंकि इसमें देवी की शक्ति, गुस्सा और इलेक्ट्रिक एनर्जी को संगीत के माध्यम से पकड़ना था। टीम को भी लगा कि मैंने उनकी दृष्टि के सार को पूरी तरह से कैद कर लिया है। फिल्म जटाधारा में सुधीर बाबू, सोनाक्षी सिन्हा, दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश और कई अन्य कलाकार नज़र आएंगे। यह फिल्म ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत की जा रही है और 7 नवंबर को हिंदी और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। तो तैयार हो जाइए 'धना पिशाची' जैसे एनर्जेटिक गीत के साथ धमाकेदार फिल्म 'जटाधारा' के लिए...।

यह गाना इतना एनर्जेटिक, बोल्ड और पावरफुल है, जिसकी वाइब विशेष रूप से जनरेशन न को खूब पसंद आ रही है। इसके अलावा सोनाक्षी सिन्हा ने जिस तरह इस गाने में अपने जबरदस्त हावभाव, शानदार बॉडी लैंग्वेज और डांस मूव्स दिखाए हैं, उससे वे स्क्रीन पर पूरी तरह छा गई हैं। अगर यह कहें तो गलत नहीं होगा कि बड़े पैमाने पर फिल्माया गया 'धना पिशाची' महज एक गाना नहीं, बल्कि ऊर्जा और विद्रोह का एंथम बन चुका है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | गुरुवार | 02-10-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के आरआरनगर तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में नौदिवसीय आध्यात्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ।साध्वीश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि आरोग्य, सौभाग्य आदि भौतिक और आध्यात्मिक लाभ देने वाला यह नवरात्रि अनुष्ठान अक्षय शक्ति का स्रोत है।

निशुल्क हृदय जांच चिकित्सा शिविर से 180 लोग हुए लाभान्वित

जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रान्त ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रान्त के तत्वावधान में उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी व शालिभद्रमुनिजी के सान्निध्य में बुधवार को पुष्कर आराधना भवन में उपाध्यायश्री पुष्करमुनि जी के 116वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में नि:शुल्क हृदय चिकित्सा शिविर का आयोजन ज्येष्ठ पुष्कर आराधना केन्द्र समिति के सहयोग से किया गया। शिविर का शुभारंभ मंगलाचरण एवं नरेशमुनि जी के मंगलपाठ से हुआ। इस आयोजन के मुख्य प्रायोजक स्व. केसरीमल, सुजानमल एवं विमलादेवी बुरड़ की स्मृति में शकुंतलादेवी, प्रकाश-आरती बुरड़ परिवार वाले थे। कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ ने सभी का स्वागत किया। प्रांतीय महामंत्री नेमीचंद दलाल ने शिविर की आवश्यकता पर विचार व्यक्त किए।

इस शिविर में साधु साध्वियों सहित अन्य 180 लोगों की नि:शुल्क इको, ईसीजी, ब्लड टेस्ट, रक्तचाप, डाइबिटीज जांच आदि प्रमुख जांच की गई। शिविर में चिकित्सीय सेवाएं देने आए एमएस रामैया मेमोरियल हॉस्पिटल के डॉक्टरों एवं नर्सिंग स्टाफ का सम्मान जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत द्वारा किया गया।शिविर की व्यवस्थाओं में जैन कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष, मंत्री सहित उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना, कोषाध्यक्ष पुखराज आंचलिया, सहकोषाध्यक्ष ललित मेहता, उपाध्यक्ष हस्तीमल बाफना, अलकेश बोहरा, जसवंत गन्ना, महेंद्रकुमार रांका, जीवन प्रकाश योजना के प्रांतीय अध्यक्ष महावीरचंद मेहता, वैयावच्च योजना प्रांतीय महामंत्री प्रकाश बोहरा सहित अनेक पदाधिकारी ने भाग लिया। जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक ने ज्येष्ठ पुष्कर आराधना भवन समिति को धन्यवाद दिया। जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांतीय प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने सभी को धन्यवाद दिया।

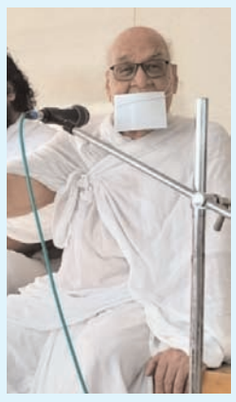

नवपद में धन नहीं, पुण्य जीवन की नैया करेगा पार : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में नवपद की आराधना में संतश्री ने कहा कि जब मानव को संकट आता है तो भगवान याद आते हैं। सुख होने पर मनुष्य भगवान को याद ही नहीं करता है। अगर सुख में सुमिरन करें तो दुख आए ही न। भगवान को हर वक्त स्मरण में रखना चाहिए। अरिहंत भगवान मानव को सिद्ध का स्वरूप बताते हैं। अगर उनका ध्यान रखा जाए तो कर्म कट जाते हैं। तीसरे नायक आचार्य को आज नमन कर रहे हैं। आचार्य सबसे पहले धर्म खुद आचरण में लाते हैं और फिर दूसरों को प्रेरणा देते हैं। आचार्य चंद्रमा की तरह होते है। हजारों तारों में जैसे चंद्रमा सुशोभित होता है। वैसे ही आचार्य होते हैं। आचार्य गुरुओं के शिरोमणि होते हैं। जैसे सोनार को सोना देने पर वह तपाता है फिर उसे अच्छा बना देता है। ऐसे ही आचार्य भी होते हैं, उनकी कृपा से ही मनुष्य सही मार्ग पर जाता है। महान आचार्य ही संघ को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। आचार्यों की कृपा बनने पर मानव जीवन बदल जाता है। कोई उम्र होने से बड़ा और विद्वान नहीं होता हैं। बहुत सारे लोग छोटी उम्र में भी विद्वान बन जाते हैं। उम्र महत्व नहीं रखता है। मनुष्य के गुण महत्वपूर्ण होते है। गुणवान मनुष्य पूजा जाता है। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने आभार व्यक्त किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

राजराजेश्वरीनगर में नौ दिवसीय आध्यात्मिक अनुष्ठान सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरआरनगर तेरापंथ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य में नौदिवसीय आध्यात्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ।साध्वीश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि आरोग्य, सौभाग्य आदि भौतिक और आध्यात्मिक लाभ देने वाला यह नवरात्रि अनुष्ठान अक्षय शक्ति का स्रोत है।

आध्यात्मिक अनुष्ठान में मंत्र की ध्वनि तरंगों के प्रकंपनों के द्वारा अन्तःकरण में ऊर्जा का विस्फोट होता है जिसके प्रभाव से हमारी आध्यात्मिक शक्तियाँ जाग जाती हैं। आध्यात्मिक शक्तियों के जागृत होने पर शरीर के भिन्न-भिन्न चेतना केन्द्र शक्तिशाली और ज्योतिर्मय होकर रोग, शोक, चिंता आदि भावनात्मक दोषों को नष्ट कर देते हैं। इस अवसर सीमा सहलोत ने साध्वीश्री से तपस्या का प्रत्याख्यान लिया। साध्वी विनितयशाजी, वर्धमानयशाजी, बोधिप्रभाजी ने गीतिका के माध्यम से तप की अनुमोदना की। इस अवसर पर ज्ञानशाला प्रशिक्षिकाओं, तनीषा सहलोत, पिस्ता पितलिया ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। तेरापंथ के सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने तप की महिमा बताते हुए तपस्वी का सम्मान किया। मंच का संचालन विपुला पितलिया ने किया।

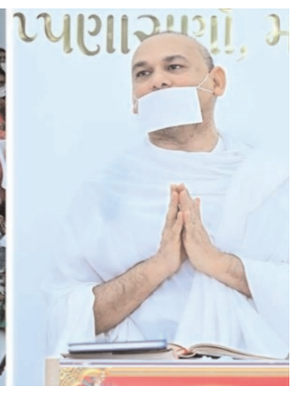

सामायिक आराधना से गुरु अमर संयम अमृत महामहोत्सव की शुरुआत

मुख्य कार्यक्रम 5 अक्टूबर को सरदार पटेल भवन में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुजराती वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ तुरकिया भवन के प्रांगण में गुरु अमर संयम अमृत महामहोत्सव के तहत उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी व डॉ वरुण मुनि जी की निश्रा में पांच दिवसीय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। बुधवार को सामायिक व्रत की सामूहिक आराधना की गई। सामायिक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वरुणमुनिजी ने कहा कि सामायिक हमारे जीवन में समता भाव को बढ़ाती है और जिस जीवन में समता आ जाती है उस जीवन में शांति प्रेम आनंद का संगीत हरदम गुंजित रहता है। सामायिक वह साधना है जिसके द्वारा हम आत्म अनुभूति, आत्म साक्षात्कार तक पहुंच सकते हैं। उन्होंने कहा कि श्रुताचार्य अमर मुनिजी का पूरा जीवन ही साधना व सामायिक के प्रति समर्पित था और उनके संयम अमृत वर्ष के मौके पर सामायिक की भेंट अर्पित करना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।ङ्कसंतश्री ने बताया कि गुरुवार को ऑल इंडिया जैन कॉन्फ्रेंस महिला शाखा की ओर से संतोष जैन के मार्गदर्शन में पूरे भारत वर्ष में 75 हजार राशन किट वितरित किए जाएंगे।

इस पहल में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, चेन्नई व बेंगलूरु के अनेक संघ इस अन्नदान कार्यक्रम में शामिल होंगे। शुक्रवार को संतों के सान्निध्य में सुबह चमत्कारी उवसग्गहरं स्तोत्र का महामंगलकारी जाप किया जाएगा, साथ ही तुरकिया जैन भवन में लगभग डेढ़ सौ से अधिक दृष्टिबाधित व्यक्तियों को भोजन व लगभग 311 लोगों को राशन किट का भी वितरण किया जाएगा। रूपेश मुनि जी ने बताया कि 4 अक्टूबर के दिन सामूहिक आयंबिल तप की आराधना-साधना स्थानक भवन के प्रांगण में किया गया है। 5 अक्टूबर के दिन विश्व शांति हेतु महामंगलकारी विशेष जप अनुष्ठान का आयोजन सरदार पटेल भवन में किया जा रहा है, जिसमें अनेक साधु साध्वियों सहित कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत, लोकसभा सांसद तेजस्वी सूर्या, विधायक व मंत्री दिनेश गुंडबराव सहित अनेक गुरुभक्त शामिल होंगे।

कोथनूर मैन रोड पांडाल में माँ दुर्गा प्रतिमा के दर्शनार्थ उमड़े श्रद्धालु

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जेपी नगर के कोथनूर मैन रोड पर जय माता दी सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा पंडाल में चल रहे नवरात्रि दशहरा महोत्सव में रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। बुधवार को आचार्य संतोष तिवारी ने मुख्य यजमान कुमोद कुमार, रणधीरसिंह परिवार आदि सदस्यों से महानवमी की पूजा करवाई गई । इस मौके पर हवन किया गया जिसमें उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने आहुतियां दी। सामूहिक कन्या भोज में अनेक कन्याओं को भोजन कराया गया। सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष शंभू सिंह, उपाध्यक्ष संजीत सिंह, सचिव रमेश तिवारी, कोषाध्यक्ष रविशंकर सिंह सहित अनेक सदस्यों ने कन्याओं की पूजा कर उपहार व दक्षिणा प्रदान की। शाम को भजन जागरण का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने माता के भजनों का आनंद उठाया।

गुरुवार को विजयादशमी पूजा की जाएगी तथा शुक्रवार को मां की प्रतिमाओं का विसर्जन होगा। कार्यकर्ता व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं।

जेबीएन महिलाओं ने किया औद्योगिक भ्रमण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जेबीएन वी-कनेक्ट और लेडीज विंग नॉर्थ के संयुक्त तत्वावधान में पीनिया स्थित विशाल पॉलिमर्स में एक औद्योगिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य उद्योग जगत की नवीनतम प्रगति एवं तकनीकों को समझना और सदस्य उद्यमियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान कराना था। इस अवसर पर करीब 40 सदस्याओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन रेफरल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया एवं रेफरल मंत्री सीए सुखदेवी जैन के निर्देशन में हुआ।

विशाल पॉलिमर्स के मालिक अक्षत जैन ने उपस्थित सदस्याओं को प्लास्टिक निर्माण प्रक्रिया, रिसाइक्लिंग तकनीक तथा पर्यावरण संरक्षण के बारे में बताया। कार्यक्रम में लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, महासचिव रक्षा छाजेड़ आदि भी उपस्थित थीं।

सीरवी समाज होसा रोड पर नवरात्रि महोत्सव सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। सीरवी समाज बडेर रायसान्द्रा ट्रस्ट होसा रोड के तत्वावधान में आईमाता मन्दिर में चल रहे नौदिवसीय शारदीय नवरात्रि महोत्सव में प्रतिदिन गरबा-डांडिया रास में महिलाओं व बच्चों ने जमकर नृत्य का आनन्द लिया। विष्णु आगलेचा ने बताया कि मंगलवार को होमाष्टमी मनाई गई, जिसमें नवरात्रि के दौरान अखंड व्रत रखने वाले समाज के सदस्यों ने सजोड़े के साथ सामूहिक हवन अनुष्ठान में आहुतियाँ डाली व कन्या पूजन भी हुआ। रात्रि में भजन-कीर्तन से पूर्व समाज की उन्नति एवं विकास के मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें समाज भवन के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया ।

प्रमुख लोगों ने अपने विचार रखे। बुधवार को नवरात्रि महोत्सव की समाप्ति पर महिलाओं एवं बालिकाओं ने थाली में दीप प्रज्ज्वलित कर श्री आईमाता की आरती की। भजन-कीर्तन में भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष तुलसाराम लखावत, सचिव कुनाराम काग, पूर्व अध्यक्ष मलाराम मुलेवा, विष्णु कुमार आगलेचा, सत्यनारायण चोयल, कानाराम पंवार, राजाराम आगलेचा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

आश्रम के बच्चों को कराया भोजन, दिए उपहार, खेले मनोरंजक खेल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय संस्था छत्र छाया सेवा ग्रुप के सदस्यों ने पन्यासश्री जयभानुशेखर विजयजी की निश्रा में नवरात्रि के उपलक्ष्य में बी बी यू एल स्कूल में मानव सेवा कार्यक्रम के तहत अनाथाश्रम व अन्य आश्रम के 500 बच्चों के लिए भोजन, गरबा व मनोरंजन के कार्यक्रम का आयोजन किया। शारदादेवी जवाहरलाल चौधरी परिवार के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में संतश्री ने उपस्थित बच्चों को सबसे पहले शाकाहार व धर्म के बारे में प्रवचन दिया। ग्रुप के सदस्यों ने बच्चों के साथ समय बिताया तथा गरबा व अन्य खेल खेले। सभी बच्चों को भोजन कराकर उन्हें उपहार दिए गए। ग्रुप के प्रियंका बागरेचा, राज बागरेचा, दीक्षिता मेहता, अक्षय मेहता, रोहित जैन, अभिषेक चौधरी सहित कामधेनु गौशाला की मंत्री राधा गुलेच्छा, सहमंत्री अरुणा जैन, मोनिका कुमट आदि ने कार्यक्रम में सेवा प्रदान की।

गांधी जी की विरासत को सहेजने के लिए 1948 में सरकारी कर्मियों ने चलाया था दान संग्रह अभियान

नई दिल्ली/भाषा। महात्मा गांधी के 1948 में निधन के महज पांच माह बाद सरकारी कर्मचारियों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय स्मारक कोष के लिए दान संग्रह अभियान शुरू किया था। कल (02 अक्टूबर को) जब हम 156वीं गांधी जयंती मना रहे हैं तो आइए उस वर्ष पर एक नजर डालें जब सरकारी कर्मचारी उनकी विरासत को सहेजने के लिए एकजुट हुए थे। दिल्ली अभिलेखागार के एक दस्तावेज के अनुसार, इतिहासकारों ने इसे इतिहास में किसी एक व्यक्ति के सम्मान में सबसे बड़े स्वैच्छिक मौद्रिक योगदानों में एक के रूप में वर्णित किया है। दस्तावेज़ के अनुसार, 18 जून 1948 को दिल्ली में विभिन्न अधीक्षक और सहायक प्रभारियों की एक बैठक हुई, जिसका उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों से स्मारक कोष के लिए दान एकत्रित करने हेतु एक समिति का गठन करना था। इसमें कहा गया है कि अधीक्षक ईश्वर सिंह और वित्त शाखा के वासदेव के नेतृत्व में नवगठित समिति को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया था कि अंशदान नियमित रूप से एकत्र किया जाए तथा प्रगति की रिपोर्ट हर महीने रजिस्ट्रार को दी जाए।

दस्तावेज़ में कहा गया है कि हालांकि योगदान स्वैच्छिक था लेकिन कर्मचारियों के समक्ष प्रस्तुत प्रस्ताव में सुझाव दिया गया था कि प्रत्येक सरकारी कर्मचारी 10 दिनों के वेतन के बराबर राशि दान करे। प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए दान की राशि के लिए कटौती को छह किस्तों में बांटने पर जोर दिया गया था। राशि जमा करने का अभियान औपचारिक रूप से एक जुलाई 1948 को शुरू हुआ।

दस्तावेज में कहा गया है कि 26 अगस्त 1949 को 'जनरल टॉकीज लिमिटेड' ने दिल्ली के मैजेस्टिक सिनेमा में अपनी फिल्म 'स्वयं सिद्धा' के रिलीज के दौरान फंड को 15 हजार रुपए का चेक दिया था। दस्तावेज़ में यह भी उल्लेख है कि इस सद्भावना पहल की भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने सार्वजनिक रूप से सराहना की थी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com